page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 06-08-2025 01:15 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 त्योहारों में मिलावटी मिठाइयों की बिक्री पर जताई चिंता

5 नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटीओपन से नाम वापस लिया

8 कृषि में सुधार बढ़ाने हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकी

मौसम जम्मू — न्यूनतम 24 — अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-193 | जम्मू तवी, बुधवार 06 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

फिलीपींस भारत के बीच रक्षा सहयोग साझेदारी आगे बढ़ाने पर सहमति

फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, कहा- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम भारत के साथ

नई दिल्ली, दैनिक 5 अगस्त। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने भारत की स्वदेशी रक्षा उद्योग की बढ़ती क्षमताओं और विस्तार की सराहना की। उन्होंने ब्रह्मोस परियोजना को भारत-फिलीपींस रक्षा सहयोग का प्रमुख उदाहरण बताया। राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि फिलीपींस अपनी रक्षा आधुनिकीकरण को गति देने में भारत को एक प्रमुख साझेदार मानता है और दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को मुक्त और समावेशी बनाए रखने के लिए सहयोग को तैयार हैं। संयुक्त प्रेस वक्तव्य में उन्होंने बताया, हमने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। हमारी सेनाओं के बीच जानकारी साझा करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सेवा-से-सेवा संवाद तंत्र स्थापित करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि दोनों देश नौसेना और तटरक्षक बल के बीच सहयोग, बंदरगाह भ्रमण और समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण जैसे प्रयासों को तेज करेंगे। राष्ट्रपति मार्कोस ने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय वरीयता व्यापार समझौते को शीघ्रता से अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, हमारे नवाचारशील और तेजी से बढ़ते निजी उद्यम तकनीकी स्थानांतरण, नवाचार, कौशल विकास और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रपति मार्कोस ने 2024 में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद भारतीय नौसेना द्वारा फिलीपींस नागरिकों को बचाए जाने पर आभार जताया। साथ ही 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी कड़ी निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता प्रकट की। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ व्यापक लड़ाई में साझेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते कदमों के लिए भी मैं बधाई देता हूं। राष्ट्रपति ने बताया कि अब भारत, फिलीपींस का पांचवां रणनीतिक साझेदार बन गया है। उन्होंने कहा, यह हमारे संबंधों में एक नया युग है। हमारे साझा हितों, क्षेत्रीय स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, खाद्य सुरक्षा और आतंकवाद जैसे पारंपरिक व अप्राकृतिक खतरों से निपटने में हम मिलकर काम करेंगे।

युद्ध की बदलती चुनौतियों से निपटने में तीनों सेनाओं का तालमेल बेहद महत्वपूर्ण : सीडीएस

नई दिल्ली, 05 अगस्त । चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने युद्ध की निरंतर बदलती प्रकृति से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं में तालमेल को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। सीडीएस ने निर्णायक परिणाम हासिल करने के लिए युद्ध के पारंपरिक और अपरंपरागत साधनों के सम्मिश्रण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह दूरदर्शी दृष्टिकोण भविष्य के संघर्षों की जटिलताओं से निपटने और स्थायी राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

सीडीएस जनरल चौहान दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में मंगलवार को सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज (सीईएनजेओडब्ल्यूएस) के स्थापना दिवस पर वार्षिक ट्राइडेंट व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दे रहे थे। भविष्य के युद्धक्षेत्र पर प्रभुत्व विषय पर जनरल अनिल चौहान ने भविष्य के युद्ध में बल प्रयोग के रुझानों को स्पष्ट किया। तकनीक और सूचना प्रभुत्व को महत्वपूर्ण पहलुओं के रूप में स्पष्ट करते हुए उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता विकास और परिचालनात्मक तैयारी पर अंतर्दृष्टि प्रदान की।

सीडीएस ने सैन्य अभ्यास कर्ताओं से रणनीतिक दूरदर्शिता, तकनीकी स्वायत्तता और सैद्धांतिक चपलता पर आधारित एक सक्रिय, स्वदेशी और अनुकूलनीय दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने गतिज और गैर-गतिज क्षमताओं के सम्मिश्रण के साथ एकीकृत और बहु-क्षेत्रीय अभियानों की ओर साहसिक सैद्धांतिक बदलाव के साथ विशिष्ट भारतीय युद्ध-शैली तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ रक्षा नेतृत्व, रणनीतिक विचारकों और विद्वानों ने भविष्य के युद्धक्षेत्र पर प्रभुत्व विषय पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के पहले शोध पत्र का औपचारिक विमोचन भी हुआ, जो परिवर्तनकारी रक्षा चिंतन को आकार देने में उनकी स्थायी विरासत को श्रद्धांजलि है। इस मौके पर सीईएनजेओडब्ल्यूएस की प्रमुख पत्रिका सिनर्जी के अगस्त अंक का भी विमोचन किया गया, जिसमें उभरते रणनीतिक रुझानों पर तीखे लेख शामिल हैं। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख ने त्रि-सेवा सुधारों की तात्कालिकता पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें सार्थक सुधार के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण समय सीमाओं और संस्थागत कदमों पर प्रकाश डाला गया।

जनरल अनिल चौहान ने भविष्य के युद्ध में बल प्रयोग के रुझानों को स्पष्ट किया

खबर संक्षेप

कठुआ में पाकिस्तानी आतंकवादी आका की अचल संपत्ति की ज़ब्त

जम्मू, 5 अगस्त । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को कठुआ ज़िले में एक पाकिस्तानी आतंकवादी आका की अचल संपत्ति ज़ब्त कर ली। यह संपत्ति आतंकवादी तंत्र की कड़ी तोड़ने के अपने प्रयासों के तहत ज़ब्त की गई है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कठुआ की अतिरिक्त सत्र अदालत के आदेश पर बनी तहसील के लोवांग गाँव निवासी मोहम्मद अशरफ़ की 16.5 मरला ज़मीन ज़ब्त की गई। उन्होंने कहा कि अशरफ़ दो दशक पहले आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हुआ था और बाद में उसने अपना ठिकाना सीमा पार कर लिया। प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 85 के तहत की गई क्योंकि आरोपी 2001 में बानी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक आतंकवाद से संबंधित मामले में वांछित था। उन्होंने बताया कि मामले की पुलिस जाँच के दौरान संपत्ति की पहचान भगोड़े के रूप में हुई।

आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान 5वें दिन भी जारी

कुलगाम, 5 अगस्त । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के अखल देवसर इलाके में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान पांचवें दिन भी जारी है। अब तक इस अभियान में एक आतंकवादी मारा गया है और दो जवान घायल बताए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के अखल इलाके में रातभर चली मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया था। यह संयुक्त अभियान भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा चलाया जा रहा है।

'भारत बीज' योजना से 1.4 लाख किसान लाभान्वित : अमित शाह

नई दिल्ली, 05 अगस्त। देश में गुणवत्तापूर्ण बीजों के उत्पादन, संग्रहण और वितरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की स्थापना की है। यह जानकारी मंगलवार को लोकसभा में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के प्रश्न के उत्तर में दी।

शाह ने बताया कि यह समिति मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज (एमएससीएस) अधिनियम, 2002 के तहत गठित की गई है और इसका उद्देश्य 'भारत बीज' ब्रांड के तहत देशी प्राकृतिक बीजों का संरक्षण, उत्पादन और प्रचार-प्रसार करना है। बीबीएसएसएल का लक्ष्य देश को आयातित बीजों पर निर्भरता से मुक्त करना और किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराना है।

समिति के कार्यों में बीजों का उत्पादन, परीक्षण, प्रमाणन, खरीद, प्रसंस्करण, भंडारण, ब्रांडिंग, लेबलिंग और पैकेजिंग जैसे सभी चरण शामिल हैं। इसके अंतर्गत फाउंडेशन और सर्टिफाइड — दोनों स्तरों के बीजों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

बीबीएसएसएल भारत सरकार की विभिन्न मंत्रालयों की योजनाओं और नीतियों का लाभ उठाकर कार्य करेगा और सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगा। इससे 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा।

सहकारिता मंत्री ने आगे बताया कि बीबीएसएसएल द्वारा अब तक एक लाख 40 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हो चुके हैं। इन किसानों को न केवल बेहतर किस्म के बीज प्राप्त हुए हैं, बल्कि उत्पादन में वृद्धि और उच्च कीमतों का लाभ भी मिला है। साथ ही, समिति द्वारा अर्जित लाभ में से किसानों को लाभांश देने की भी योजना है।

उपराज्यपाल सिन्हा ने आतंकवाद पीड़ितों के 158 रिश्तेदारों को नियुक्ति पत्र सौंपे

आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों को समान सजा दी जाएगी : उपराज्यपाल सिन्हा

श्रीनगर 05 अगस्त। आतंकवाद पीड़ित परिवारों के लिए न्याय और उनके दुखों के निवारण का लंबा इंतज़ार खत्म हो गया है। वे पाकिस्तानी आतंकवादियों और जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी तंत्र की भूमिका का खुलासा करने के लिए सामने आए हैं, उपराज्यपाल ने अब्दुल मजीद मीर के परिवार का दुखद वृत्तांत साझा किया, जिनका जीवन 29 जून, 2004 को बिखर गया था। उस दिन, बारामूला के शेखपुरा के अब्दुल मजीद का आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया था और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ एक नई रेखा खींच दी है और आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों को समान सजा दी जाएगी। यहाँ आतंकवाद पीड़ितों के एक समूह को संबोधित करते हुए, सिन्हा ने कहा, भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि आतंकवाद राज्य की नीति है, तो इसका स्पष्ट और सशक्त जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक नई लक्ष्मण रेखा खींची है और आतंकवादियों तथा उनके समर्थकों को

समान दंड दिया जाएगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा मारे गए कश्मीरी नागरिकों के 158 निकटतम परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे। आतंकवाद पीड़ितों के परिवारों ने अपने दर्दनाक अनुभव साझा किए। उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों और उनके समर्थकों द्वारा उनके परिवारों के खिलाफ किए गए अन्याय को उजागर किया। उपराज्यपाल ने शहीद नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और जम्मू कश्मीर में आतंकवाद से पीड़ित परिवारों के साहस और दृढ़ता को सलाम किया।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली, 5 अगस्त 5। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शोक व्यक्त किया। सत्यपाल मलिक का मंगलवार को निधन हो गया। 79 वर्षीय सत्यपाल मलिक लंबे वक्त से बीमार चल रहे थे। उन्होंने दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आखिरी सांस ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सत्यपाल मलिक के निधन का समाचार दुखद है। मैं उनके परिवारजनों और समर्थकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्यपाल मलिक के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, सत्यपाल मलिक के निधन से दुखी हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओम शांति। सत्यपाल मलिक ने जम्मू-कश्मीर के अलावा बिहार, गोवा और मेघालय जैसे राज्यों में राज्यपाल के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। 25 जुलाई 1946 को यूपी के बागपत जिले में एक जाट परिवार में सत्यपाल मलिक का जन्म हुआ। मेरठ से उन्होंने अपनी शिक्षा हासिल की। उन्होंने लोहिया की समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर 1965-66 में सक्रिय राजनीति में कदम रखा। 1974 में वह बागपत विधानसभा क्षेत्र से भारतीय क्रांति दल के टिकट पर उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य चुने गए और विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक नियुक्त किए गए।

14 आई.ए.एस. और जे.के.ए.एस. अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी

श्रीनगर, 5 अगस्त । सरकार द्वारा मंगलवार को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किए गए 10 आईएएस और चार जेकेएएस अधिकारियों में से चार उपायुक्त भी शामिल हैं। नवीन एस एल, आईएएस (एजीएमयूटी-2012) सरकार के सचिव परिवहन विभाग को स्थानांतरित कर सरकार के सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग के रूप में नियुक्त किया गया है साथ ही आयुक्त नागरिक उड्डयन के अतिरिक्त प्रभार के साथ डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी, आईएएस (एजीएमयूटी-2009) को इस पद के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग में नियुक्ति के आदेश की प्रतीक्षा कर रही अवनी लवासा आईएएस (एजीएमयूटी-2013) को सरकार के परिवहन विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईएएस (एजीएमयूटी-2013) अंशुल गर्ग को स्थानांतरित कर कश्मीर के मंडलायुक्त के पद पर तैनात किया गया है। विकास कुंडल आईएएस (एजीएमयूटी-2013) उपायुक्त पुंछ को स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में तैनात किया गया है। गुरपाल सिंह आईएएस (एजीएमयूटी-2014) निदेशक, समाज कल्याण, जम्मू को स्थानांतरित कर जम्मू विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात किया गया है। सचिन कुमार वैश्य आईएएस (एजीएमयूटी-2015) उपायुक्त जम्मू को स्थानांतरित कर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग में पदस्थापन आदेश की प्रतीक्षा कर रहे आईएएस (एजीएमयूटी-2015) अनिल बंका को सरकार के विशेष सचिव वित्त विभाग के पद पर पदस्थापित किया गया है।जम्मू विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्रीकांत बालासाहेब सुसे आईएएस (एजीएमयूटी-2016) का तबादला कर उन्हें कुपवाड़ा का उपायुक्त नियुक्त किया गया है। कठुआ के उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास आईएएस (एजीएमयूटी 2016) का तबादला कर उन्हें जम्मू का उपायुक्त नियुक्त किया गया है। आयुषी सूदन आईएएस (एजीएमयूटी 2017) डिप्टी कमिश्नर कुपवाड़ा को स्थानांतरित कर डिप्टी कमिश्नर सांबा नियुक्त किया गय

केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए 67 हजार करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 05 अगस्त । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने लगभग 67 हजार करोड़ रुपये की कुल लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी। भारतीय सेना के लिए थर्मल इमेजर आधारित ड्राइवर नाइट साइट खरीदे जाएंगे। इससे बीएमपी की रात्रिकालीन ड्राइविंग क्षमता में वृद्धि होगी और मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री को बेहतर गतिशीलता और परिचालन लाभ मिलेगा।

भारतीय नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चरों की खरीद और बराक-1 पॉइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टमको अपग्रेड करने के लिए मंजूरी दी गई। कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट की खरीद भारतीय नौसेना को पनडुब्बी रोधी युद्ध अभियानों में खतरों का पता लगाने, वर्गीकरण करने और उन्हें निष्क्रिय करने की क्षमता प्रदान करेगी। भारतीय वायु सेना के लिए माउंटेन रडार की खरीद और सक्षम/स्पाइडर हथियार प्रणालीको भी अपग्रेड किया जायेगा। पर्वतीय रडार की खरीद से पर्वतीय क्षेत्र में सीमाओं के साथ-साथ हवाई निगरानी क्षमता में वृद्धि

मध्यम ऊंचाई वाले दीर्घकालिक रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट खरीदे जाएंगे

होगी। एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकरणकेलिएस्पाइडर प्रणाली के उन्नयन से वायु रक्षा क्षमता में वृद्धि होगी। तीनों सेनाओं के लिए मध्यम ऊंचाई वाले दीर्घकालिक रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट की खरीद के लिए भी मंजूरी दी गई। प्रस्तावित रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट कई पेलोड और हथियार ले जा सकते हैं और दीर्घकालिक मिशनों के लिए लंबी दूरी पर काम कर सकते हैं। ये सशस्त्र बलों की चौबीसों घंटे निगरानी और युद्ध क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे।

धराली में बादल फटने के बाद तबाही, चार की मौत व कई लापता

देहरादून, 5 अगस्त । उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में प्राकृतिक आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं। इस आपदा में चार लोगों की मौत हुई और कई लोग लापता है।आपदा की तबाही को देखते हुए सरकार ने प्रभावित इलाकों के अस्पतालों में बड़े स्तर पर इलाज संबंधी तैयारियां कर रखी हैं।

दिल्ली सहित आसपास के इलाकों से एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी की कई टीमें धराली गांव की ओर भेजी गई हैं। नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) की ओर से दो हेलीकॉप्टर भी राहत और बचाव कार्यों के लिए तैयार हैं। राज्य ने वायुसेनासे भी मदद मांगी है।

कई विधायकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की, विकास से जुड़े मुद्दे उठाए

श्रीनगर 05 अगस्त। कई विधानसभा सदस्यों ने श्रीनगर स्थित नागरिक सचिवालय में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों की विभिन्न जन समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले विधायकों में अली मोहम्मद डार (चडूरा), डॉ. शफी अहमद वानी (बीरवाह), सैफुद्दीन भट्ट (खान साहिब) और जावेद इकबाल चौधरी (बुद्धल) शामिल थे।

बैठक के दौरान विधायकों ने बुनियादी ढाँचे के विकास, सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति और कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट मुद्दों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने लोगों तक समय पर लाभ पहुँचाने के लिए जनता की ज्वलंत मांगों के शीघ्र समाधान का आग्रह किया।

विधायकों ने मुख्यमंत्री से बडगाम जिले के तोसामैदान और दूधपथरी के पर्यटन स्थलों को शीघ्र खोलने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया क्योंकि स्थानीय आबादी की आजीविका इन क्षेत्रों पर निर्भर करती है।

विधायकों ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बिजली माफी योजना का विस्तार करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उन हज़ारों परिवारों को राहत देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया जो समय पर बिजली बिल न चुका पाने की समस्या से जूझ रहे थे जिसके कारण मूल राशि पर ब्याज और जुर्माना लग रहा था और उन्हें भुगतान करने में कठिनाई हो रही थी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधायकों को आश्वासन दिया कि सरकार लोगों की वास्तविक चिंताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है और समावेशी विकास के लिए प्रशासन और निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर ज़ोर दिया।

सकीना इत्तू ने पुंछ में स्वास्थ्य, समाज कल्याण और शिक्षा विभागों के कामकाज की समीक्षा की

पुंछ, 05 अगस्त। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने पुंछ जिले में स्वास्थ्य, समाज कल्याण और शिक्षा विभागों के प्रदर्शन और कामकाज की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

शिक्षा क्षेत्र के कामकाज की समीक्षा करते हुए मंत्री ने निर्माणाधीन भवनों पर चल रहे कार्यों का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि उन्हें जल्द से जल्द जनता के उपयोग के लिए समर्पित किया जा सके।

मंत्री ने स्कूल शिक्षा निदेशक को विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों और दूर-दराज के बस्तियों में विषय-विशिष्ट शिक्षकों की तैनाती और कर्मचारियों के युक्तिकरण को

प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूल प्रबंधन समितियों को मज़बूत करने और सामुदायिक भागीदारी पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर समाज की नींव है और सरकार बच्चों को उनके योग्य उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने के लिए मानव और बुनियादी ढाँचे दोनों संसाधनों का निवेश कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र के संबंध में मंत्री ने जिले के स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में कार्यरत सभी परियोजनाओं और कर्मचारियों की स्थिति का विवरण मांगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा निदेशक जम्मू को सभी डॉक्टरों का अटैचमेंट रद्द करने और उन्हें तुरंत उनके मूल पदस्थापन स्थान पर भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने जनता को उनके घर-द्वार पर बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए सप्ताह में एक बार या आवश्यकतानुसार अन्य दूरस्थ क्षेत्रों में डॉक्टरों की तैनाती करने का भी आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि एक स्वस्थ समाज एक प्रगतिशील क्षेत्र की रीढ़ होता है। ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुँच का अधिकार है।

संसद में विपक्ष ने किया हंगामा, दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली,05 अगस्त। संसद के मानसून सत्र 2025 का मंगलवार को 12वां दिन भी विपक्ष के भारी हंगामे के चलते बाधित रहा। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही को स्थगित कर दिया। बिहार में जारी मतदाता सूची विवाद को लेकर विपक्ष पहले से ही हमलावर है और सोमवार को भी इसी मुद्दे पर पूरे दिन कार्यवाही ठप रही थी।

इसके बाद मंगलवार को भी सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष के सामने पहुंचकर जोरदार नारेबाजी की, जिसके चलते कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही भी दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी

गई है। दरअसल, राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती के मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष और उपसभापति के बीच तीखी बहस हुई। इसके बाद सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। वहीं, संसद की कार्यवाही से पहले एनडीए संसदीय दल की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलताओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। हर हर महादेव के गगनभेदी नारों और तालियों के साथ प्रधानमंत्री के प्रति सराहना प्रकट की गई।

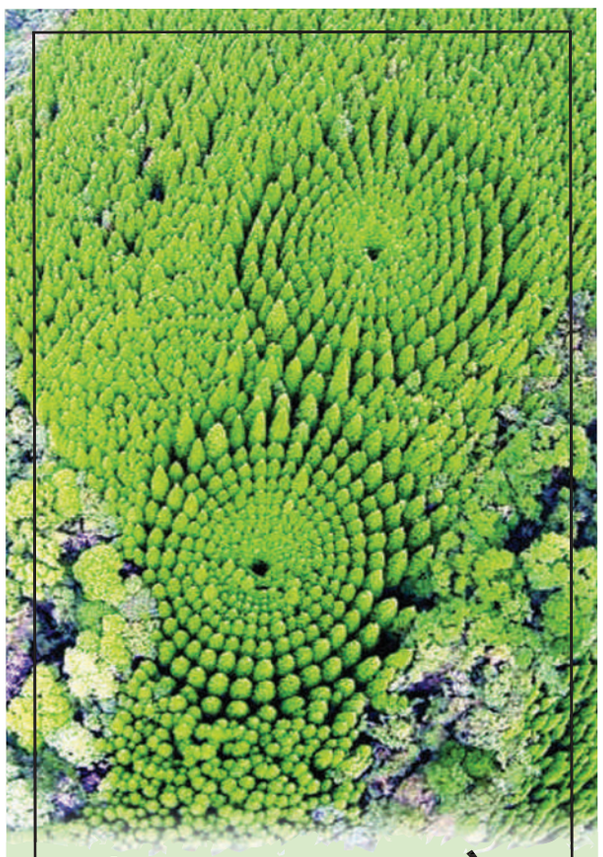

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे ऊंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

त्योहारों में मिलावटी मिठाइयों की बिक्री पर जताई चिंता, सख्त कार्रवाई की मांग

जम्मू, 5 अगस्त (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान, जम्मू-कश्मीर इकाई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर रक्षाबंधन और जन्माष्टमी जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में मिलावटी मिठाइयों की बिक्री पर गंभीर चिंता जताई। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने की। मीडिया को संबोधित करते हुए केसरी ने कहा कि त्योहारों के दौरान वितरित की जाने वाली मिठाइयों में सिंथेटिक पनीर, खोया और अन्य घटिया सामग्री का प्रयोग किया जाता है, जिससे लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ता है, विशेष रूप से बच्चों के लिए यह अत्यंत खतरनाक हो सकता है।

उन्होंने स्वास्थ्य और खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा की जा रही छापेमारी की सराहना की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि जांच रिपोर्ट और टेस्ट के नतीजे सार्वजनिक रूप से साझा किए जाएं, ताकि आम जनता में विश्वास बना रहे। केसरी ने मांग की कि मिलावटी मिठाइयों की बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और घटिया मिठाइयों के भंडार को नष्ट किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की जान से खेलने वालों को सार्वजनिक रूप से कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि दूसरों को भी सबक मिले।

केसरी ने यह भी बताया कि भारत के विधि आयोग ने मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने के मामलों में कड़ी सजा की सिफारिश की है। यदि किसी की मृत्यु होती है तो आजीवन कारावास और 10 लाख रूपये का जुर्माना, गंभीर चोट के मामलों में 6 साल की कैद और 5 लाख रूपये का जुर्माना तथा साधारण चोट में 1 साल की कैद और 3 लाख रूपये का जुर्माना तय किया गया है।

शिवसेना हिंदुस्तान ने आमजन से अपील की कि वे सजग रहें और मिलावटी खाद्य पदार्थों की जानकारी संबंधित विभागों को दें। केसरी ने कहा कि जन जागरूकता और कानूनों का सख्ती से पालन ही इस समस्या का स्थायी समाधान है।

एशियन स्टार रेडियो लंदन ने पद्मश्री बलवंत ठाकुर की वैश्विक रंगमंच यात्रा को प्रदर्शित किया

जम्मू, 5 अगस्त (हि.स.)। एशियन स्टार रेडियो, लंदन ने प्रसिद्ध रंगमंच कलाकार पद्मश्री बलवंत ठाकुर पर एक दुर्लभ और प्रेरक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिससे लंदन और बर्मिंघम के श्रोताओं को उनकी रचनात्मक यात्रा और वैश्विक प्रभाव की गहरी जानकारी मिली। एंकर पायल द्वारा प्रस्तुत, एक घंटे के प्राइमटाइम कार्यक्रम में ठाकुर की एक सांस्कृतिक राजदूत के रूप में भूमिका, उनकी रचनात्मक पहल और यूके भर में उनके चल रहे दौरे पर प्रकाश डाला गया। ऑन-एयर बोलते हुए, ठाकुर ने शेक्सपियर के जन्मस्थान की अपनी हालिया यात्रा के अनुभव साझा किए, जहाँ उन्होंने स्थानीय कलाकारों द्वारा एक विशेष प्रदर्शन देखा। प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने जम्मू की लोककथा कुंजू चंचलो पर आधारित एक नई इंडो-इंग्लिश नाट्य प्रस्तुति बनाने की योजना की घोषणा की, जिसमें शेक्सपियर के प्रेम और त्रासदी के विषयों का मिश्रण होगा।

ठाकुर ने द लायन किंग के प्रति अपनी प्रशंसा पर भी चर्चा की और भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित एक बड़े पैमाने पर नाट्य प्रदर्शन विकसित करने के अपने दृष्टिकोण को व्यक्त किया। उन्होंने भारतीय कथाओं को वैश्विक स्तर पर उभारने के लिए विश्वस्तरीय निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ट्राफलगर स्क्वायर में अपने पिछले यूके प्रदर्शन सेलिब्रेटिंग डायवर्सिटी को याद किया, जिसमें 50,000 से अधिक दर्शकों के सामने जम्मू और कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया था और बाद में ब्रिटिश संसद में इसका मंचन किया गया था। अपने अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए, ठाकुर ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में फोर्ड फाउंडेशन द्वारा समर्थित अपने शोध प्रस्तुत करने का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने एक नई नाट्य भाषा विकसित करने पर चर्चा की, जो पारंपरिक भारतीय रूपों को वैश्विक संवेदनाओं के साथ जोड़ती है।

जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू में एंटी-रैगिंग शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

जम्मू, 5 अगस्त (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू ने अपने कैंपस को सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक बनाए रखने के निरंतर प्रयासों के तहत आज एक एंटी-रैगिंग शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न हुआ, जिसमें छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों की भागीदारी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार गुप्ता ने की। उनके साथ एंटी-रैगिंग समिति के संयोजक डॉ. एम. एस. सैनी, क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू के एसोसिएट डीन, डॉ. अशाक हुसैन, समिति के अन्य सदस्य, शिक्षकगण, छात्र और अभिभावक भी उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत डॉ. गुप्ता के औपचारिक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने रैगिंग के प्रति कॉलेज की शून्य सहिष्णुता नीति को स्पष्ट रूप से दोहराया। उन्होंने विशेष रूप से प्रथम वर्ष के छात्रों के कल्याण को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि रैगिंग में लिप्त किसी भी छात्र को बिना किसी पुनर्विचार के तत्काल निष्कासित कर दिया जाएगा। इसके पश्चात सभी उपस्थितजनों ने मिलकर एंटी-रैगिंग शपथ ली, जिसमें छात्रों ने किसी भी प्रकार की रैगिंग में भाग न लेने और न ही उसे बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस शपथ के माध्यम से उन्होंने गरिमा, समानता और पारस्परिक सम्मान जैसे मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कॉलेज की एंटी-रैगिंग समिति पहले से ही जागरूकता अभियानों, व्यक्तिगत काउंसलिंग और विधिक सत्रों के माध्यम से छात्रों को रैगिंग के गंभीर परिणामों के प्रति संवेदनशील बना रही है। इसके अलावा कॉलेज परिसर में जागरूकता पोस्टर और होर्डिंग्स भी लगाए गए हैं, ताकि सभी छात्र रैगिंग की गंभीरता और उसके प्रभाव को समझ सकें।

शिक्षा महाविद्यालय जम्मू में रन फॉर यूनिटी का आयोजन, स्वतंत्रता दिवस के 79वें समारोह को समर्पित

जम्मू, 5 अगस्त (हि.स.)। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू की एनएसएस इकाई द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौड़ का उद्देश्य कॉलेज के विभिन्न विभागों और पाठ्यक्रमों के छात्रों को एकजुट कर एकता में विविधता की भावना को सशक्त बनाना था, क्योंकि कॉलेज में विभिन्न सांस्कृतिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि के छात्र अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम की शुरुआत फ्लैग-ऑफ समारोह से हुई, जिसमें कॉलेज की प्राचार्य डॉ. ज्योति परिहार मुख्य अतिथि रहीं। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने इस वर्ष की थीम आजादी को नमन, भविष्य को प्रेरणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एकता और स्वतंत्रता राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। यह कार्यक्रम 1 से 15 अगस्त तक चलने वाले देशव्यापी स्वतंत्रता दिवस उत्सवों की श्रृंखला का हिस्सा था। दौड़ में बी.एड., एम.एड. और आईटीईपी कोर्स के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. दीपाली देवी, प्रो. रूपा कुमारी, डॉ. अंबिका कुमारी और एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। वरिष्ठ संकाय सदस्यों प्रो. सुनंदा रानी, प्रो. अनुराधा चौधरी और डॉ. देवेंद्र ने एनएसएस टीम के प्रयासों की सराहना की। दौड़ में भाग लेने वाले अन्य शिक्षकगणों में डॉ. शालिनी राणा, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. शालिनी शर्मा, डॉ. सूरज प्रकाश, डॉ. सोनम अंडोत्रा और डॉ. शालू जसरोतिया शामिल रहे।

जीडीसी बसोहली में निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ/बसोहली 05 अगस्त (हि.स.)। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे समारोहों के एक भाग के रूप में राजकीय डिग्री कॉलेज बसोहली ने अंतर-महाविद्यालय निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति, सांस्कृतिक गौरव और रचनात्मक अभिव्यक्ति की भावना का संचार करना था।

यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुनील गुप्ता के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को भारत की स्वतंत्रता, एकता और प्रगति की यात्रा पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में छात्रों ने विकसित भारत के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. शुभकुमार, डॉ. सूर्या प्रताप सिंह और प्रो. विशाल शर्मा के निर्णायक मंडल ने रचनात्मकता, मौलिकता और प्रासंगिकता के आधार पर निबंधों का मूल्यांकन किया। हिमानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उसके बाद राघव और राधिका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ. वरिंदर सिंह, प्रो. राजेश कुमार और रोशन लाल शर्मा (पीटीआई) द्वारा चित्रों का मूल्यांकन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुमन, द्वितीय निशु व तृतीय स्थान नेहा ने प्राप्त किया।

सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटें और पावर बैंक वितरित

डोडा, 5 अगस्त (हि.स.)। वंचित समुदायों के जीवन को रोशन करने और उन्हें सशक्त बनाने की एक हार्दिक पहल के तहत भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना और ऑपरेशन रोशनी के तहत गेई, देस्सा क्षेत्र के गुज्जर और बक्करवाल परिवारों को सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटें और पावर बैंक वितरित किए। दूरस्थ और उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जीवन स्तर को बेहतर बनाने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता के तहत भारतीय सेना ने जिले के कठोर और दुर्गम इलाकों में रहने वाली खानाबदोश जनजातियों को ये महत्वपूर्ण सुविधाएँ प्रदान कीं।

फरार आरोपी के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 87 के तहत उद्घोषणा की कार्यवाही की गई

कठुआ 05 अगस्त (हि.स.)। बिलावर पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 380/511 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 68/2019 में फरार आरोपी के खिलाफ बिलावर पुलिस स्टेशन ने जम्मू-कश्मीर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 87 के तहत उद्घोषणा की कार्यवाही शुरू की है।

बार-बार प्रयास करने के बावजूद गिरफ्तारी से बच रहे आरोपी की पहचान भूषण कुमार पुत्र पुनू राम निवासी ढेर तहसील बिलावर जिला कठुआ के रूप में हुई है। कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोपी के अंतिम ज्ञात निवास पर जम्मू-कश्मीर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 87 के तहत उद्घोषणा नोटिस चिपका दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त उसके पैतृक इलाके में ढोल बजाकर और लाउडस्पीकर से घोषणा करके आरोपी को निर्धारित समयावधि के भीतर माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। यह कार्यवाही बिलावर थाना पुलिस की टीम द्वारा की गई। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे भगोड़े के ठिकाने के बारे में कोई भी जानकारी निकटतम पुलिस स्टेशन को दें। आरोपी को शरण देने या उसकी सहायता करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू में पीजी प्रोग्राम में 90 प्रतिशत दाखिले, कुलपति ने जताई संतुष्टि

जम्मू, 5 अगस्त (हि.स.)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू ने शैक्षणिक सत्र 2025 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में लगभग 90 प्रतिशत दाखिले सफलतापूर्वक दर्ज किए हैं। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. संजीव जैन ने गहरी संतुष्टि व्यक्त की है। प्रो. जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, समावेशी शिक्षा प्रणाली, और जीवंत शिक्षण माहौल ऐसे प्रमुख कारक हैं जो देशभर के छात्रों को आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने उन सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और हितधारकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने विश्वविद्यालय पर विश्वास जताया।

कुलपति ने बताया कि दस्तावेज़ सत्यापन प्रक्रिया के दौरान आज छात्रों की भारी उपस्थिति देखी गई जो विश्वविद्यालय में प्रवेश को लेकर उनकी उत्सुकता और विश्वास को दर्शाता है। वर्तमान में विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में 20 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चला रहा है। सफल और पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को विश्वविद्यालय प्रशासन ने धन्यवाद दिया।

एसएसपी श्रीनगर ने भारत दर्शन यात्रा के लिए छात्रों के समूह को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

श्रीनगर, 5 अगस्त (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस के सिविक एक्शन प्रोग्राम के एक भाग के रूप में एसएसपी श्रीनगर डॉ. जीवी संदीप चक्रवर्ती ने जिला श्रीनगर के 84 छात्रों को (05 दिवसीय) लंबी भारत दर्शन यात्रा के लिए पांच देखभालकर्ताओं के साथ रवाना किया। यह दौरा जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा आयोजित किया गया है और भ्रमण करने वाले युवाओं को सभी बोर्डिंग और लॉजिंग सुविधाएं, आने-जाने के हवाई टिकट सहित अन्य सभी लॉजिस्टिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

डीपीएल श्रीनगर में एक प्रभावशाली ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। एसएसपी श्रीनगर ने भ्रमणशील छात्रों के साथ बातचीत करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत दर्शन दौरे का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं को भारत की एकजुटता को समझने का अवसर प्रदान करना है और उन्हें देश के ऐतिहासिक स्थानों का दौरा करके अपने ज्ञान को समृद्ध करने के अवसर का लाभ उठाने की सलाह दी।

बॉटनी विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान और पौधारोपण अभियान आयोजित

जम्मू, 5 अगस्त (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, उधमपुर के बॉटनी विभाग द्वारा पौधे और उनका उपयोग विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. नीना शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि प्रो. रमेश कुमार अत्री का स्वागत भाषण देकर की गई। अपने ज्ञानवर्धक व्याख्यान में प्रो. अत्री ने पुष्पीय पौधों के विकास की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला और बताया कि किस प्रकार पौधे हमारे जीवन में प्रतिदिन अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय क्षरण की चुनौती को रेखांकित करते हुए पौधों की विविधता को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में एसोसिएट प्रोफेसर सुमिक्षा ठाकुर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में बॉटनी विभाग की ओर से कॉलेज परिसर स्थित वनस्पति उद्यान में पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत प्रधानाचार्य डॉ. संजय कुमार वर्मा और डॉ. नीना शर्मा द्वारा बिक्सा ओरेलाना के पौधे के रोपण से हुई, जिसे प्रो. अत्री ने भेंट किया था।

सकीना इत्तू ने पुंछ में दिव्यांगजनों को मोटर चालित तिपहिया साइकिलें कीं वितरित

पुंछ 05 अगस्त (हि.स.)। समाज कल्याण मंत्री सकीना इत्तू ने आयोजित एक समारोह में 28 दिव्यांगजनों को मोटर चालित तिपहिया साइकिलें वितरित कीं। यह कार्यक्रम समाज कल्याण विभाग द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की गतिशीलता और स्वतंत्रता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर हवेली के विधायक एजाज अहमद जान, जम्मू के समाज कल्याण निदेशक, पुंछ के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त, पुंछ के जिला कल्याण अधिकारी, अन्य जिला एवं क्षेत्रीय अधिकारी और स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने समाज कल्याण और समावेशी शासन के प्रति सरकार की

प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को सशक्त बनाना केवल गतिशीलता संबंधी सहायता प्रदान करना नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए, चाहे उनकी शारीरिक क्षमताएँ कुछ भी हों, सम्मान, पहुँच और अवसर सुनिश्चित करने के बारे में है। मंत्री ने सुगम्यता में व्याप्त कमियों को पाटने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए अन्य जिलों में भी ऐसी ही पहल की जाएगी। उन्होंने प्रशासन से हाशिए पर पड़े समुदायों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने और दिव्यांगजनों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मंत्री ने आगे बताया कि ये ट्राइसाइकिलें केवल गतिशीलता का ही साधन नहीं हैं बल्कि ये विशेष आवश्यकता वाले लोगों के लिए सम्मान, स्वतंत्रता और अवसर का प्रतीक हैं। इस अवसर पर बोलते हुए हवेली के विधायक एजाज अहमद जान ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक पहुँचने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सुलभ गतिशीलता और सरकारी सहायता के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के महत्व पर बल दिया।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित देशभक्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला का हुआ समापन

कठुआ 05 अगस्त (हि.स.)। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ ने 1 से 5 अगस्त 2025 तक कई आकर्षक और सार्थक गतिविधियों का आयोजन कर 79वें स्वतंत्रता दिवस को देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सावी बहल के मार्गदर्शन में इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रीय गौरव, रचनात्मकता और जागरूकता को बढ़ावा देना था। 1 अगस्त को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायक विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के साथ समारोह की शुरुआत हुई। कुल 12 उत्साही स्वयंसेवकों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और कम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान पर प्रकाश डाला। निधि सालगोत्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उसके बाद कुमारी हर्षिका दूसरे और कुमारी तमन्ना सांगवाल तीसरे स्थान पर रहीं। इसी प्रकार 2 अगस्त को एक जीवंत राष्ट्रगान गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न सेमेस्टर के 24 छात्रों ने भाग लिया। समूह गायन में रितु और उनके समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, राधिका और उनके समूह ने द्वितीय, जबकि इमानी और उनके समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल गायन में राधिका ने अपने भावपूर्ण प्रदर्शन के लिए प्रथम, असीमा ने द्वितीय और वैशाली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भद्रवाह में तिरंगा रैली का आयोजन, देशभक्ति की भावना को किया गया प्रज्वलित

अमीर इक़बाल खान

भद्रवाह, 5 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभक्ति की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से यूथ एक्शन कमेटी द्वारा सोमवार को भद्रवाह में एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में छात्रों, स्थानीय निवासियों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस रैली का नेतृत्व YAC के चेयरमैन नसीर महबूब ने किया और इसे अतिरिक्त उपायुक्त भद्रवाह ने नए बस स्टैंड से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मार्च सेरी बाज़ार पर जाकर समाप्त हुआ, जिसमें पूरे भद्रवाह ज़ोन के सैकड़ों स्कूली छात्र देशभक्ति नारों और तिरंगे के साथ एकजुट होकर चल रहे थे।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, एसडीपीओ भद्रवाह, वन मंडल अधिकारी भद्रवाह, वन विभाग के अधिकारी, नगर समिति भद्रवाह के कर्मचारी, शिक्षकगण और गुज्जर समुदाय के सदस्य भी उपस्थित थे। प्रशासन ने इस आयोजन को पूरा सहयोग प्रदान किया, जिसका उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय गर्व की भावना को बढ़ावा देना था।

सभा को संबोधित करते हुए YAC चेयरमैन नसीर महबूब ने कहा, मैं उन सभी बहादुर सैनिकों और शहीदों को दिल से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। मैं विशेष रूप से पहलगाम में शहीद हुए पर्यटकों को भी नमन करता हूं।

बाद में, रैली का समापन नसीर महबूब और सामाजिक कार्यकर्ता तारिक परवेज़ बट के प्रेरणादायक भाषणों के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका और देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए देशभक्ति के महत्व को रेखांकित किया।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI
PHE DIVISION UDHAMPUR
NOTICE INVITING TENDER

Bid Identification No. e-NIT No: 14 of 2025-26 dated 31-07-2025
under endorsement No. JSDU/ 3952-80 dated : -31-07-2025

For and on behalf of Lt. Governor of UT of Jammu & Kashmir, Executive Engineer, Jal Shakti (PHE) Division, Udhampur invite tenders by e-tendering mode on above / below percentage rate from approved and eligible Govt. contractors registered with J&K Govt./ CPWD/ MES and Railways etc. for the following works.

S. No.	Name of work	Estd. Cost (in lacs)	Cost of document/ tender fee (In Rs.)	Earnest Money @ 2%	Class of Contractor	Time of Completion
1	2	3	4	5	6	7
1	DRILING OF BOREWELLS NEAR OLD AGE HOME AND DEVIKA AND OTHER ALLIED WORKS FOR AUGMENTATION OF WATER SUPPLY TO WARD NO. 17, 12,14,15 AND KATHYALA AREA UNDER WSS UDHAMPUR TOWN (UT CAPEX BUDGET) BY WAY OF IMPROVEMENT /REPLACEMENT OF WORN OUT PIPES TO DIFFERENT AREAS	1220	500.00	24400.00	B, C & D	30 Days

1. Date of Publishing 31-07-2025
2. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 01/082025 from 10:00 (Hrs)
3. The Bids shall be deposited on the website http://jktenders.gov.in from 01/08/2025 (10:00 Hrs) to 11-08-2025 (1400 Hrs).
4. The complete bidding process will be online.
5. The Technical bids received shall be opened online on 12-08-2025 (1400 Hrs) in the office of Executive Engineer Jal Shakti PHE Division Udhampur.
6. Bids must be accompanied by cost of Tender Document and Earnest Money Deposit as specified in column 4 & 5 of the table payable at Udhampur pledged in favour of Executive Engineer, Jal Shakti PHE Division Udhampur Earnest money deposit (EMD) will have to be in form of CDR/FDR and shall have to be valid for 90 days. The cost of downloaded tender documents in the form of E-Challan, Treasury challan /Receipt under MH-0215 - WSS (Revenue Head) OR Tender fee can be submitted through NEFT / RTGS in J&K Bank Branch Udhampur bearing Bank Account No. 0028010200000047, IFSC code JAKAOUDMPUR in the official account of Executive Engineer Jal Shakti (PHE) Division Udhampur. EMD @ 2% shall be released on receipt of performance security @ 3% from the successful bidder which shall be released after completion of the defect liability period of the work and additional performance security (for un-balanced bid) shall be released after completion of work as certified by Asstt. Executive Engineer.
7. The Financial bids of the bidders shall be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti PHE Division Udhampur and shall be communicated separately

DIP/J-4294/25
Dtd: 5-8-2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti PHE Division
Udhampur

संपादकीय

किफायती स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा 35 आवश्यक दवाओं की कीमतों में कमी देश के बड़े हिस्से में स्वास्थ्य सेवा को और अधिक किफायती बनाने की दिशा में एक स्वागत योग्य और सराहनीय कदम है। यह अच्छी बात है कि केंद्र ने आखिरकार यह स्वीकार किया है कि हृदय रोगों और मधुमेह से लेकर विभिन्न संक्रामक रोगों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली आवश्यक दवाओं की बढ़ती कीमतों के कारण आबादी भारी दबाव में है।

विशेष रूप से, जिन 35 दवाओं की कीमतों पर सीमा लगाने पर विचार किया गया है, उनमें सूजनरोधी, हृदय संबंधी, एंटीबायोटिक, मधुमेहरोधी, मानसिक और बाल चिकित्सा संबंधी दवाएं शामिल हैं। यह आवश्यक कदम विशेष रूप से वंचित वर्ग के उन रोगियों के लिए मददगार होगा, जो आजीवन दवाओं पर निर्भर रहते हैं और अपनी दैनिक दवाओं की उच्च लागत के कारण विभिन्न समस्याओं का सामना करते हैं।

नि:संदेह, इस कदम ने कई लोगों के लिए सस्ती दवा सुनिश्चित की है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस %संकेत% को केवल हस्तक्षेप ही नहीं रहने दिया जाना चाहिए क्योंकि देश में स्वास्थ्य सेवा को सुविधाजनक, किफायती और सुलभ बनाने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि संबंधित विभाग आवश्यक दवा फॉर्मूलेशन वाली सूची का दायरा बढ़ाने पर काम करें और मौजूदा कीमतों की नियमित समीक्षा करें। देश के लोगों को ऐसी राहत प्रदान करने का कोई भी मौका नहीं गंवाना चाहिए क्योंकि इस दिशा में उठाया गया हर कदम जनता को लगातार बढ़ती मुद्रास्फीति का मुकाबला करने में और भी आसानी से मदद करेगा।

सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि लोगों को दवाओं की कीमतों में कटौती के बारे में पता हो ताकि वे इसका लाभ उठा सकें। सख्त बाजार निगरानी एक अच्छा विकल्प हो सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दी जाने वाली दवाओं का लाभ कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति तक पहुँचे। मूल्य सीमा के अंतर्गत आने वाले प्रमुख फॉर्मूलेशन में एसिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल, ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमोक्सिसिलिन-क्लैवुलनेट, एटोरवास्टेटिन-क्लोपिडोग्रेल के संयोजन और एम्पैग्लिफ्लोज़िन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन जैसी उन्नत मौखिक मधुमेह-रोधी दवाएं शामिल हैं।

यह भी सूचित किया गया है कि अनुपालन न करने पर डीपीसीओ, 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंड लगाया जा सकता है, जिसमें ब्याज सहित अधिक वसूली गई राशि की वसूली भी शामिल है। एनपीपीए ने स्पष्ट किया है कि अधिसूचित कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं है, जिसे लागू होने पर जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा, निर्माताओं को एकीकृत औषधि डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से मूल्य सूचियों को अद्यतन करने और एनपीपीए तथा राज्य नियामकों, दोनों को सूचित करने के लिए कहा गया है।

स्कूल छोड़ती बेटियाँ- संसाधनों की कमी या सामाजिक चूक

इन सबके अलावा शिक्षा को लेकर समाज की प्राथमिकताएँ भी स्पष्ट नहीं हैं। एक लड़का पढ़े तो 'परिवार का भविष्य' बनता है, लेकिन लड़की पढ़े तो 'शादी की उम्र निकलने का डर' पैदा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मानसिकता अब भी गहराई से मौजूद है। लड़कियों की शिक्षा को 'लाभ' से ज्यादा 'खर्च' माना जाता है। इन परिस्थितियों में बेटियां स्कूल छोड़ दे, तो क्या इसमें उसकी गलती है? या यह एक सामूहिक चूक है- व्यवस्था, समाज और हमारी।

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट ने चौंकाने वाला सच उजागर किया है कि 15 से 18 वर्ष की उम्र की लगभग 39.4 फीसदी लड़कियाँ स्कूल से बाहर हो चुकी हैं। शिक्षा के इस मौन पलायन के पीछे स्कूलों की दूरी, परिवहन की अनुपलब्धता, शौचालयों की कमी और सुरक्षा को लेकर भय जैसे कारण हैं। यह स्थिति केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की कमजोरी को भी दर्शाती है। यह सवाल है क्या हम सच में बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं?

बेटियों की शिक्षा को लेकर गढ़ा गया नारा हर गली-चौराहे, सरकारी इमारतों और बैनरों पर चमकता है, लेकिन यह उन गाँवों और बस्तियों तक नहीं पहुँच पाता जहाँ बेटियाँ रोज़ स्कूल छोड़ रही हैं। हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 39.4 फीसदी लड़कियाँ स्कूल से बाहर हैं। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, यह हमारे सामाजिक ढांचे पर एक कठोर टिप्पणी है। घर से स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन की कमी, उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अभाव, शौचालयों की स्थिति और सामाजिक असुरक्षा- ये सारी बातें ज़मीनी हकीकत हैं जिनसे रोज़ हज़ारों बच्चियाँ जूझ रही हैं। अंततः उन्हें शिक्षा से हाथ धोना पड़ता है। हकीकत यह है कि नामांकन के बाद लड़कियाँ स्कूल में टिक नहीं पातीं।

एक आम ग्रामीण परिदृश्य को देखें। पाँचवीं तक का स्कूल तो आसपास है लेकिन आठवीं के बाद विद्यालय दूर है। परिवहन की सुविधा नहीं। न बस, न साइकिल, न ही कोई महिला सहकर्मी या मार्गदर्शक। माता-पिता अपनी बेटी को पाँच किलोमीटर दूर अकेले भेजने से डरते हैं। उन्हें चिंता होती है कि रास्ते में कोई छेड़छाड़ न हो, कोई हादसा न हो। उस चिंता में स्कूल जाना बंद हो जाता है।

शौचालयों की बात करें तो यह सिर्फ सुविधा नहीं, आत्मसम्मान और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। किशोरावस्था में लड़कियाँ उन परिवर्तनों से गुजरती हैं, जहाँ एक स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय उनकी शिक्षा की निरंतरता तय कर सकता है। लेकिन अधिकांश सरकारी स्कूलों में या तो शौचालय हैं नहीं या हैं तो गंदे, असुरक्षित या क्षतिग्रस्त हालत में हैं। माता-पिता के लिए यह एक और कारण बन जाता है अपनी बेटियों को स्कूल से हटाने का।

सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। जिन स्कूलों में कोई महिला शिक्षक नहीं होतीं, कोई सीसीटीवी कैमरा या गार्ड नहीं होता, वहाँ किशोर लड़कियों को भेजना आज भी माता-पिता के लिए जोखिम उठाने जैसा है। यह डर केवल अव्यवस्था से नहीं, समाज की असंवेदनशीलता से भी उपजा है। आए दिन होने वाली घटनाएं, समाचारों में आती छेड़छाड़ की खबरें इस भय को और गहरा करती हैं।

इन सबके अलावा शिक्षा को लेकर समाज की प्राथमिकताएँ भी स्पष्ट नहीं हैं। एक लड़का पढ़े तो 'परिवार का भविष्य' बनता है, लेकिन लड़की पढ़े तो 'शादी की उम्र निकलने का डर' पैदा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मानसिकता अब भी गहराई से मौजूद है। लड़कियों की शिक्षा को 'लाभ' से ज्यादा 'खर्च' माना जाता है। इन परिस्थितियों में बेटियां स्कूल छोड़ दे, तो क्या इसमें उसकी गलती है? या यह एक सामूहिक चूक है- व्यवस्था, समाज और हमारी।

इस स्थिति का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, ठोस क्रियान्वयन से होगा। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हर गाँव से तीन किलोमीटर के दायरे में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हो। यह बुनियादी शैक्षिक ढांचा हर बच्चे का अधिकार है। परिवहन की सुविधा उतनी ही ज़रूरी है जितनी शिक्षक की उपस्थिति। यदि बच्चियाँ स्कूल नहीं पहुँच पाएंगी तो पढ़ेंगी कैसे? सरकार को स्कूल वैन, छात्रा साइकिल योजना या सार्वजनिक परिवहन में 'स्कूल पास' जैसे विकल्प सुनिश्चित करने होंगे। हर स्कूल में स्वच्छ और उपयोगी शौचालयों की अनिवार्यता होनी चाहिए। महिला कर्मचारियों की नियुक्ति, नियमित निरीक्षण और साफ-सफाई के लिए स्थानीय प्रशासन को उत्तरदायी बनाया जाए।

सुरक्षा के लिए प्रत्येक स्कूल में महिला शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ाई जाए। सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरा और स्कूल परिसर में अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। यह कदम न केवल बेटियों को सुरक्षा का भरोसा देगा, बल्कि अभिभावकों को मानसिक शांति भी। इसके साथ ही स्कूलों के भवन और अधोसंरचना को केवल औपचारिकता के लिए नहीं, गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल का मैदान- ये सब स्कूल के मानक हिस्से होने चाहिए।

एक और महत्वपूर्ण बिंदु डिजिटल शिक्षा है। महामारी ने दिखा दिया कि जिनके पास मोबाइल, इंटरनेट और बिजली नहीं, वे पढ़ाई से बाहर हो जाते हैं। ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और उपकरण की उपलब्धता अब विलासिता नहीं, अनिवार्यता है शिक्षा विभाग को उन लड़कियों की नियमित सूची बनानी चाहिए जो स्कूल छोड़ चुकी हैं। उनके घर जाकर कारण जानना, उन्हें वापस लाने के लिए प्रेरित करना, और माता-पिता को विश्वास में लेना प्रशासन की जिम्मेदारी होनी चाहिए। साथ ही समाज को भी आत्मावलोकन करना होगा। हम अपनी बेटियों को क्यों पढ़ाना चाहते हैं – नौकरी के लिए, शादी के लिए या आत्मनिर्भरता के लिए? जब तक समाज का जवाब अस्पष्ट रहेगा, तब तक समाधान भी अधूरा रहेगा। प्रशासन, समाज और परिवार को मिलकर यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि कोई भी बच्ची शिक्षा से वंचित न हो। इसका अर्थ है केवल विद्यालय खुलवाना नहीं, बल्कि उसमें बेटी के जाने और टिके रहने की पूरी ज़िम्मेदारी लेना।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अपराधियों के हौसले बढ़ाती डिजिटल तकनीक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजस्थान के जोधपुर जिले के मीडिया इन्फ्लुएंसर को अपराधियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए 20 लाख रु. की मांग पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दो कथित अपराधियों को पकड़ा है। मीडिया इन्फ्लुएंसर और उसकी कामेडियन पत्नी को उनके अश्लील वीडिया वायरल करने की धमकी दी गई। खैर, यह तो इन्होंने हिम्मत दिखाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी अन्यथा देश दुनिया में इस तरह की धमकियां देकर डरा-धमकाकर वसूली करने के अपराधों की बाढ़ से आ गई है।

दरअसल, डिजिटल तकनीक का अपराधियों द्वारा अपराध में उपयोग आम होता जा रहा है। डिजिटल तकनीक के कारण अपराधियों के बढ़ते हौसले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों एक महिला की निजी तस्वीरों को वाट्सएप पर सार्वजनिक करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने जमानत देने से इनकार करते हुए सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति भनोट ने 2023 में भी सोशल मीडिया में अश्लील वीडियो अपलोड के प्रकरण में गंभीर टिप्पणी की थी।

डिजिटल क्रांति ने अपराध की दुनिया में बड़ी सेंध लगा ली है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। कम्प्यूटर, कम्प्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस, डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट आदि के माध्यम से नित नए अपराध की तरीके अपना रहे हैं। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट या बैंक अकाउंट ठगी के शिकार होने वाले अधिकतर लोग अच्छे पढ़े-लिखे, समाज में अच्छे पदों से सेवानिवृत या यों कहे कि समझदार लोग ही अधिक शिकार हो रहे है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि वे साइबर ठगी के शिकार होते-होते बचे हैं।

डिजिटल तकनीक से अपराध करने वालों के हौसलों को देखिये कि कुछ घंटों नहीं अपितु कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रख कर लाखों रुपए अपने खातों में डलवा रहे हैं। यह सब तो तब है जब कि सरकार मोबाइल टोन के समय ही ओपनिंग मैसेज के माध्यम से आगाह कर रही है पर इस तरह की घटनाओं में साल दर साल मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है।

1970 से 1990 के दो दशकों में केविन मिटनिक और उनके साथियों ने मोटोरोला, नोकिया आदि के नेटवर्क में सेंध मारना शुरु कर दिया था। बॉब थामस ने क्रीपर वायरस के माध्यम से कम्प्यूटर सिस्टम को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इसके बाद तो समय-समय पर वायरसों द्वारा कम्प्यूटर सिस्टम को हैंक या प्रभावित करने का सिलसिला ही चल निकला। कम्प्यूटर आधारित अपराधों का केवल अमेरिका का 2015 का आंकड़ा ही चौकाने वाला है जिसमें एफबीआई के अनुसार 2 लाख 88 हजार से भी अधिक शिकायतों के साथ केवल एक वर्ष में 445 अरब डॉलर के नुकसान का दावा किया गया। साइबर ठगी के मामलों में रूस पहले पायदान पर तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर है। चीन, अमेरिका, नाइजीरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन साल में ही ठगी के नए-नए तरीकों से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलों में 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लैक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। लाख प्रयासों के बावजूद 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलों में 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई।

यह तो वे मामले हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामले ऐसे भी हैं जिनमें शिकायत दर्ज कराए ही नहीं कराई गई। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह हो रहा है। हालांकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक-दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

हैंकिंग, रेनसमवेयर, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैक मेलिंग अपराधियों के प्रमुख हथियार हैं। व्यक्ति को इस तरह से भयग्रस्त कर देते हैं कि समझदार और पढ़े-लिखे होने के बावजूद पैसा गंवा बैठते हैं। ठगी, जबरन वसूली, पोर्नोग्राफी, बाल पोर्नोग्राफी, धनशोधन, औद्योगिक जानकारी चुराने, ड्रग, ब्लेक मेलिंग, डराने-धमकाने सहित विभिन्न तरह के अपराध को अंजाम देने में इन्होंने विशेषज्ञता हासिल कर ली है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े-लिखे और होशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल तकनीक ने बहुत कुछ बदल कर रख दिया है। तकनीक ने समझ और संवाद को आसान बनाया है। जानकारी का पिटारा खोला है। पर इसके साइड इफेक्ट के रुप में अपराधियों का जाल भी तेजी से फैल रहा है। ऐसे में साइबर कानून और साइबर थाने बना देने भर से समस्या का समाधान होने वाला नहीं। देखा जाए तो डिजिटल ठगी करने वाले तकनीक और सिस्टम पर भारी पड़ रहे हैं। ऐसे में डिजिटल अपराध और अपराधियों से लोगों को बचाने की फूलप्रुफ तकनीक व व्यवस्था बनानी ही होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सदन में स्वस्थ बहस से ही लोकहित संभव

अरुण कुमार दीक्षित

लोकसभा और राज्यसभा में ज्वलंत मुद्दों पर आदर्श चर्चा की जिम्मेदारी सरकार और प्रतिपक्ष की बराबर होती है। गत वर्षों में देखा जा रहा है कि सदन में कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। सदन ठीक नहीं चल पाने के कारण भारतीय जनमानस का नुकसान होता है। निराशा होती है। जनता से जुड़े बुनियादी सवालों पर चर्चा नहीं होने से अनेक मामले लंबित रह जाते हैं। निष्कर्ष नहीं आते। फिर चाहे वह आंतरिक सुरक्षा की बात हो चाहे राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा की बात हो अथवा आतंकवादी हमलों जैसे गंभीर विषय हो। अच्छी चर्चा नहीं होने से सत्ता पक्ष के मंत्रियों को जहां सुविधा होती है कि उन्हें प्रश्नों के उत्तर नहीं देने पड़ते, उनकी जवाबदेही तय नहीं हो पाती है। वहीं, प्रतिपक्ष की नाकामी भी सीधे दिखाई पड़ती है। प्रतिपक्ष जो बातें सदन के बाहर करता है वे सभी बातें प्रश्न लोकसभा राज्यसभा सदन में क्यों नहीं कर पाता है। प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष पर दोष मढ़कर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करता आया है।

यह आदत और ढंग अब बदलने चाहिए। सदनों की कार्यवाही मीडिया में सीधे प्रसारित होती है। सोशल मीडिया में भी दिखाई पड़ती है। इससे क्या प्रतिपक्ष ने कहा और सत्ता पक्ष ने क्या किया? वह सब जन मानस में दृष्टिगत होता रहता है। आदर्श लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए सदनों में सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष को पारदर्शी ढंग अपनाने होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है तो जनता के मन में राजनीतिज्ञों और चुनकर जाने वाले जनप्रतिनिधियों के ऊपर घटते विश्वास को और अधिक बल मिलेगा। लोकसभा सबसे बड़ी और जिम्मेदार संवैधानिक संस्था है। लोकसभा भारत के जन गण मन का मंदिर है। लोकतांत्रिक आस्था का केंद्र है लोकसभा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में कहा यह सत्र भारत के विजयोत्सव का सत्र है। यह भारत के गौरव गान का सत्र है। यह विजयोत्सव सिंदूर की सौगंध पूरा करने का सत्र है। यह विजयोत्सव आतंकी हेड क्वार्टर को मिट्टी में मिलाने का सत्र है। भारत की सेना के शौर्य साहस की विजयगाथा का विजयोत्सव है। यह सत्र भारत के एक सौ चालीस करोड़ लोगों की एकता का अप्रतिम विजयोत्सव है। उन्होंने प्रतिपक्ष से कहा हमसे किसी तीसरे देश ने युद्ध को लेकर बात नहीं की। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का प्रधानमंत्री ने नाम लेकर कहा उन्होंने (जेडी वेंस) उनसे कहा कि पाकिस्तान भी जवाबी कार्रवाई करेगा। तो हमने (मोदी ने) कहा कि वह गोली चलाएंगे तो हम जवाब गोले से देंगे। मगर प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य से प्रतिपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ। प्रतिपक्ष उत्तर में चाहता था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के उस वक्तव्य पर जिस पर ट्रंप ने कई बार कहा है कि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत का ऑपरेशन सिंदूर हमने रुकवाया है, पर चर्चा हो। प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि (पीओके) पाक अधिकृत कश्मीर पर कब्जा क्यों नहीं किया गया।

इस पर केंन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 62 के चीन युद्ध में क्या हुआ 38 हजार वर्ग किमी भूमि अक्साई चीन को छोड़ दी। कहा उस समय जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे। तब नेहरू ने कहा था कि उस भूमि पर तो घास भी नहीं उगती है, क्या करेंगे उस भूमि का। जिस तरह नेता प्रतिपक्ष और अन्य प्रतिपक्षी सरकार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर घेर रहे हैं, वह संचार माध्यमों से सभी ने देखा है। जबकि पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री के स्पष्ट वक्तव्य सदन में स्वयं उनके द्वारा आ चुके हैं। पहले सप्ताह में सदन नही चलने पर संसदीय कार्य मंत्री ने चिंता जताई थी।

आश्चर्य की बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी लोकसभा और राज्य सभा में प्रतिपक्ष पूरे मनोयोग से प्रधानमंत्री के साथ खड़ा नहीं दिखाई दे रहा था। हंगामा होता रहा। होना तो चाहिए था कि भारत राष्ट्र से किसी देश से हो रहे युद्ध को लेकर अथवा युद्ध जैसी परिस्थितियों में नेता प्रतिपक्ष सहित अलग-अलग संपूर्ण विचारधारा मानने वाले लोगों को राष्ट्र सर्वोपरिता के सिद्धांत पर चलते दिखाई देना चाहिए। पर ऐसा हो न सका। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि लोग चाहते थे कि आतंकवादियों के सिर में गोली मारी जाए और ऐसा ही हुआ। तीनों आतंकवादियों को सुरक्षाकर्मियों ने सिर में ही गोली मारी। उन्होंने कहा भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने गुहार लगाई। घुटने टेके। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह वक्तव्य राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हो रही विशेष चर्चा के समय दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट कहा कि आतंकी शिविरों, आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और लॉन्चिंग पैड्स पर हमला 9 मई को किया गया। इस हमले को पाकिस्तान अपने ऊपर मान रहा था। इसके बाद गृहमंत्री कांग्रेस पर हमलावर रहे। मगर प्रतिपक्ष इस वक्तव्य से संतुष्ट नहीं हुआ लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे हो अन्य वे सभी लोकहित से जुड़े होते हैं। सरकार द्वारा प्रतिपक्ष द्वारा उठाए जा रहे विषयों पर गौर करते हुए सदन चलना शुचिता का संदेश होता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान, 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह चार मैचों की सीरीज़ 15 अगस्त से 21 अगस्त तक पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में खेली जाएगी। यह दौरा 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप (वर्ल्ड कप क्वालिफायर) से पहले एक अहम अभ्यास अवसर माना जा रहा है।टीम की कमान स्टार ड्रैगफ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है। टीम में कृष्ण पाठक और सुरज कारकेरा को गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया है। डिफेंडर्स में हरमनप्रीत के साथ सुमित, जर्मनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीव ज़ेस, जुगराज सिंह और कर्नाटक के युवा खिलाड़ी पूवन्ना सीबी को भी जगह मिली है। मिडफील्ड में युवा राजिंदर सिंह को मौका मिला है, जिन्हें पूर्व कप्तान सरदार सिंह की तरह देखा जा रहा है। उनके साथ राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम और विष्णु कांत सिंह को मिडफील्ड की ज़िम्मेदारी दी गई है। फॉरवर्ड लाइन में मनदीप सिंह, शीलानंद लकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्थी और आदित्य लालगे को चुना गया है।

एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत

सिरसा। साउथ कोरिया में आयोजित 20वीं एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में स्वर्ण और सिल्वर पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे सिरसा के शाह सतनाम जी गर्ल्स शिक्षण संस्थान की खिलाड़ियों का संस्थान में भव्य स्वागत किया गया। प्रिंसिपल डा. शीला पूनियां ने कहा कि हरियाणा रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के सहयोग से यह मुकाम हासिल हुआ है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के लिए डेरा में इंटरनेशनल स्तर के खेल मैदान उपलब्ध कराए हैं, जिसकी बदौलत खिलाड़ी यह सफलता प्राप्त कर रहे हैं। संस्थान की स्पोर्ट्स डायरेक्टर रिशू ने बताया कि 20वीं एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में संस्थान की 9 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जूनियर रिंक हॉकी में सिमरजीत, आंचल कंबोज और अमनदीप ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं जूनियर इन लाइन हॉकी में रविंद्र कुमार, पितांशी, अश्मीत और गजलप्रीत ने इरान, चीन और साउथ कोरिया की टीमों को हराकर सिल्वर पदक जीता। सीनियर वर्ग में अश्मी और सतवीर ने भाग लिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने न केवल संस्थान बल्कि पूरे सिरसा जिले और देश का नाम रोशन किया है।

सुनील गावस्कर ने की सिराज की प्रशंसा, बताया सीमा पर डटे जवान जैसा

नई दिल्ली। मोहम्मद सिराज ने पांचमे टेस्ट के पांचमे दिन इंग्लैंड के निचले क्रम को ध्वस्त करते हुए भारत को छह रन से ऐतिहासिक जीत दिलाने में मदद की जिससे पांच टेस्ट मैचो की सीरीज 2-2 से बराबर हो गई। सिराज ने सीरीज में सबसे ज्यादा ओवर फेंके और सभी पांच टेस्ट खेलने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज थे। सीरीज बराबर करने वाली जीत के बाद भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सिराज की प्रशंसा की और उन्हें सीमा पर डटे जवान जैसा भी बताया। साथ ही कहा कि भारतीय क्रिकेट के शब्दकोश से वर्कलोड शब्द को हमेशा के लिए मिटा देना चाहिए।गावस्कर ने कहा, मोहम्मद सिराज ने वर्कलोड के इस मामले को हमेशा के लिए खारिज कर दिया है। जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हो, तो दर्द और तकलीफो को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते है? यहां क्रिकेट में, देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दो। मुझे उम्मीद है कि अब वर्कलोड शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हट जाएगा। 5 टेस्ट मैचो में उन्होंने शानदार लगातार 7 8 ओवर गेंदबाजी की है, क्योंकि कप्तान उन्हें चाहते थे और देश को उनसे उम्मीदे थी। उन्होंने आगे कहा, और मुझे लगता है कि लोगो को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि वर्कलोड एक मानसिक चीज है, शारीरिक चीज नही और यदि आप वर्कलोड के बारे में बात करने वाले लोगो के आगे झुक जाएंगे तो अपने देश के लिए मैदान पर कभी भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नहीं होंगे।

'एशिया कप हो जाए बस...', पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने ली चुटकी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ़ का मानना है कि 14 सितंबर को होने वाले बहुप्रतीक्षित एशिया कप मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ पाकिस्तान के सामने कड़ी चुनौती होगी। लतीफ ने स्वीकार किया कि टीम इंडिया हाल के मैचों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कोसों दूर रही है और उसे अपने प्रदर्शन और अपने स्वभाव में नाटकीय बदलाव की जरूरत होगी। लतीफ ने चुटकी लेते हुए कहा, '14 सितंबर को एक मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ खेलना पाकिस्तान के लिए बहुत मुश्किल होगा। एशिया कप हो जाए बस।' उन्होंने इशारा किया कि पाकिस्तान की मौजूदा अनिश्चित फॉर्म को देखते हुए वह बस यही उम्मीद कर रहे हैं कि टूर्नामेंट सुचारू रूप से आगे बढ़े। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने हाल के महीनों में पाकिस्तान के अस्थिर प्रदर्शन पर प्रकाश डाला, जिसके कारण टीम की तैयारियों की कड़ी आलोचना हो रही है। उन्होंने कहा, 'हमारी क्रिकेट हवा में चल रही है... हम बांग्लादेश और वेस्टइंडीज से हार गए, ऐसे मैच जो हमें कभी नहीं हारने चाहिए थे। हमारा कप्तान अच्छा हो सकता है, लेकिन तीनों फॉर्मेट में तालमेल बिठाना आसान नहीं है। हमारे पास प्रतिभा है, लेकिन हम अभी तक सही फैसले नहीं ले पा रहे हैं।

बेंगलुरु एफसी ने खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के भविष्य को लेकर जारी असमंजस के बीच बेंगलुरु एफसी ने अपने पहले टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकने का फैसला किया है। क्लब ने एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा,भारत में एक फुटबॉल क्लब चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है, जिसे हम हर सीज़न पूरी निष्ठा के साथ करते आए हैं। लेकिन लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी ने हमें यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। हमारे खिलाड़ियों, स्टाफ और उनके परिवारों की भलाई हमारे लिए सर्वोपरि है और हम इस मसले के समाधान तक लगातार उनके संपर्क में हैं। क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि यह

निर्णय उनके युवा कार्यक्रमों पर असर नहीं डालेगा, हम खेल और अपने संचालन के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे युवा पुरुष और महिला टीमें, साथ ही बीएफसी सॉकर स्कूल्स इस निर्णय से अप्रभावित रहेंगे। हम अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) से अपील करते हैं कि इस गतिरोध को शीघ्र समाप्त करें। यह अस्थिरता किसी के हित में नहीं है और भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए त्वरित समाधान जरूरी है।गौरतलब है कि 11 जुलाई को आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल ने 2025-26 सीज़न को ÷अस्थायी रूप से स्थगित÷ करने की घोषणा की थी, जिसके पीछे अनुबंध संबंधित समस्याएं बताई गई थीं। इसके अगले दिन एआईएफएफ ने कहा था कि वह लीग की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। जानकारी के अनुसार, एफएसडीएल और एआईएफएफ के बीच मौजूदा मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) 8 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। यही समझौता लीग की संरचना, संचालन और व्यावसायिक ढांचे की नींव है। आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक खेले जाने वाली आईएसएल के संचालन और उससे जुड़ी ब्रॉडकास्टिंग योजनाओं के लिए सभी हितधारकों को दीर्घकालिक स्पष्टता की आवश्यकता है।

ओवल टेस्ट का चौथा दिन: इंग्लैंड 339/6, भारत को जीत के लिए 4 विकेट की दरकार

एजेंसी

लंदन। केनिंग्टन ओवल में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट का चौथा दिन बेहद रोमांचक मोड़ पर खत्म हुआ। इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 339 रन बना लिए हैं। खराब रोशनी और फिर बारिश के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। अब इंग्लैंड को जीत के लिए सिर्फ 35 रन और भारत को 4 विकेट की जरूरत है।दिन का खेल जल्दी ही रुक गया था, जब जेमी स्मिथ 02 रन और जेमी ओवर्टन बिना खाता खोले क्रीज पर थे। इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी की थी और इंग्लैंड के तीन अहम विकेट जल्दी गिराए, जिससे मुकाबला फिर से संतुलन में आ गया।इंग्लैंड ने चौथे दिन 50/1 से आगे खेलना शुरू किया और उसे जीत के लिए 324 रनों की जरूरत थी। हालांकि दिन की शुरुआत में ही भारत को सफलता मिली जब बेन डकेट (54) और ऑली पोप (27) को क्रमशः प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने पवेलियन भेजा। तीन विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड की पारी को जो रूट और हैरी ब्रूक ने संभाला। दोनों के बीच हुई 195 रनों की साझेदारी ने भारत को बैकफुट पर डाल दिया। ब्रूक ने 113 के स्ट्राइक रेट से 111 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जबकि जो रूट ने भी संयम और अनुभव के साथ खेलते हुए शतक पूरा किया। 301 के स्कोर पर ब्रूक के आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी लड़खड़ाने लगी। जैकब बैथेल सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए और फिर जो रूट (105) भी सिराज का शिकार बने।

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस लिया, बिना तैयारी के यूएस ओपन में उतरेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने आगामी यूएस ओपन से पहले एक और झटका दिया है। उन्होंने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और अब बिना किसी हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट की तैयारी के सीधे यूएस ओपन में उतरेंगे। जोकोविच ने आखिरी बार 11 जुलाई को विंबलडन सेमीफाइनल में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें यानिक सिनर के हाथों सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले से दो दिन पहले जोकोविच को क्वार्टरफाइनल के अंतिम गेम में एक 'भयावह' और 'अजीब तरीके' से गिरते देखा गया था, जिससे उनकी बाईं जांघ पर असर पड़ा। सेमीफाइनल में वह पूरी तरह से फिट नजर नहीं आए और उन्हें कोर्ट पर अपनी गति में कठिनाई हो रही थी। मैच के दौरान उन्होंने अपने ऊपरी बाएं पैर का उपचार भी करवाया था। सिनसिनाटी से पहले जोकोविच ने इस सप्ताह समाप्त हो रहे टोरंटो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था, जिसकी वजह उन्होंने कमर की मांसपेशियों (ग्रोइन इंजरी) में चोट को बताया था। विंबलडन से पहले उन्होंने फ्रेंच ओपन में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें फिर से यानिक सिनर के हाथों सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। अब जोकोविच के पास यूएस ओपन से पहले किसी भी हार्ड कोर्ट मुकाबले का अभ्यास नहीं होगा। यूएस ओपन 24 अगस्त से शुरू हो रहा है।

जोकोविच इस टूर्नामेंट में अब तक चार बार चैंपियन बन चुके हैं, जिनमें आखिरी खिताब उन्होंने 2023 में जीता था। वह उनका अब तक का सबसे हालिया ग्रैंड स्लैम खिताब भी है।

एशियन चैंपियनशिप की तैयारी शुरू, एशियाई खेलों से पहले निशानेबाजों की महाद्वीपीय वर्चस्व पर नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष निशानेबाज यहां डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर एकत्र हुए, जहां 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप (एएससी) के लिए तैयारी शिविर की शुरुआत हुई। यह चैंपियनशिप 16 से 30 अगस्त तक कजाकिस्तान के श्यामकेंट में आयोजित होगी, जिसमें भारत की ओर से अब तक का सबसे बड़ा दल हिस्सा लेगा। 182 निशानेबाजों की इस टीम में पिस्टल, राइफल और शॉटगन के ओलंपिक व गैर-ओलंपिक दोनों इवेंट्स के खिलाड़ी शामिल हैं। यह प्रतियोगिता एशियाई खेलों से पहले क्षेत्रीय वर्चस्व की लड़ाई का मंच बनेगी। यह तैयारी शिविर पिछले महीने देहरादून (राइफल और पिस्टल) तथा भोपाल (शॉटगन) में आयोजित राष्ट्रीय शिविर के बाद शुरू किया गया है। इन 182 खिलाड़ियों में से 35 सीनियर और 36 जूनियर निशानेबाज सरकार के खर्च पर जाएंगे, जबकि बाकी खिलाड़ी टूर्नामेंट नियमों के अनुसार निजी खर्च पर यात्रा करेंगे। इस बार कुल 28 देशों के 734 एथलीट एशियन

शूटिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। मेज़बान कजाखस्तान 100 से अधिक निशानेबाजों के साथ दूसरा सबसे बड़ा दल भेजेगा, जबकि दक्षिण कोरिया 70 और चीन 47 निशानेबाजों के साथ भाग लेंगे। भारतीय दल का पहला बैच जिसमें पिस्टल और स्कीट निशानेबाज शामिल होंगे, 14 अगस्त को कजाखस्तान रवाना होगा। राइफल निशानेबाज 17 अगस्त को, अन्य खिलाड़ी 20 अगस्त को और गैर-ओलंपिक इवेंट्स में हिस्सा लेने वाले निशानेबाज 24 अगस्त को रवाना होंगे। 15वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2023 में, जो दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आयोजित हुई थी, भारत ने कुल 19 पदक (6 स्वर्ण, 8 रजत और 5 कांस्य) जीतकर पदक तालिका में चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरा स्थान हासिल किया था।

मोहम्मद आमिर और इमाद वसीम 'द हंड्रेड' में बने रिप्लेसमेंट खिलाड़ी, पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर संशय हुआ दूर

एजेंसी

लंदन। पाकिस्तानी तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद आमिर और ऑलराउंडर इमाद वसीम ने 'द हंड्रेड' 2025 सीज़न के लिए नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स से करार कर लिया है। यह करार उस समय हुआ है जब इस लीग में भारतीय निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सवाल उठ रहे थे। इससे पहले इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह स्पष्ट किया था कि भारतीय या भारतीय-अमेरिकी निवेशकों के आने से पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने फरवरी में कहा था, हम अन्य क्षेत्रों में इस स्थिति से अवगत हैं, लेकिन यहां ऐसा नहीं होगा। मार्च में हुए ड्राफ्ट में एक भी पाकिस्तानी पुरुष खिलाड़ी के चयन नहीं होने पर संदेह गहराया था, लेकिन इसकी एक वजह पाकिस्तान की वेस्टइंडीज और यूएई में श्रृंखलाओं

के चलते उनकी अनुपलब्धता भी मानी जा रही थी। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार अब आमिर और इमाद ने सुपरचार्जर्स के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर अनुबंध किया है। आमिर ऑस्ट्रेलिया के बेन द्वारशुईस की जगह पूरे टूर्नामेंट में खेलेंगे, जबकि इमाद वसीम केवल 7 से 10 अगस्त तक मिचेल सैंटनर की अनुपस्थिति में टीम का हिस्सा होंगे। गौरतलब है कि सुपरचार्जर्स के नए मालिक भारतीय मीडिया समूह 'सन ग्रुप' होंगे, जो 1 अक्टूबर से संचालन संभालेंगे।इस टीम में इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी एक मेंटोरिंग रोल में नज़र आएंगे। उन्होंने कहा, मैं द हंड्रेड में खेलते हुए नहीं बल्कि टीम के साथ समय बिताते हुए दिखूंगा। मैं अपनी रिकवरी कर रहा हूं और इस दौरान टीम का हिस्सा रहूंगा। इस सीज़न में इंग्लैंड के ज़्यादातर टेस्ट बल्लेबाज़ उपलब्ध रहेंगे, जबकि तेज़ गेंदबाज़ों को आराम दिया गया है।

हंड्रेड 2025 में रिप्लेसमेंट खिलाड़ी:

लंदन स्पिरिट:

जॉन सिम्पसन और डैन डाउथवेट ने जेमी स्मिथ और ऑली पोप की जगह ली (5 अगस्त के मैच के लिए)

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स: मार्क चैपमैन ने रचिन रवींद्र (6-13 अगस्त) और फरहान अहमद ने मार्चंट डि लैंगे की जगह ली

सीबीएसई क्लस्टर-5 एथलेटिक्स में सेठ एमआर जयपुरिया ओवरऑल चैम्पियनशिप

एजेंसी

प्रयागराज। सीबीएसई क्लस्टर-5 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सेठ एमआर जयपुरिया चंदौली ने बालक एवं बालिका वर्ग में 155 अंक के साथ ओवरऑल चैम्पियनशिप पर कब्जा जमाया। बालिकाओं की अंडर-14 आयु वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल प्रयागराज की टीम 46 अंक लेकर विजेता बनी। खेलगांव पब्लिक स्कूल की आरोही सिंह अंडर-14 बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया। रश्मोर इंटरनेशनल स्कूल हबुसा मोड़, सराय इनायत में सम्पन्न हुई प्रतियोगिता में सेठ एमआर जयपुरिया चंदौली ने बालक एवं बालिका दोनों को मिलाकर 155 अंक के साथ सर्वांगीण उपाधि पर कब्जा किया। बालकों के अंडर-14 एवं अंडर-17 आयु वर्ग में सेठ एमआर जयपुरिया चंदौली, अंडर-आयु वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल अयोध्या विजेता बना। बालिकाओं के अंडर-14 वर्ग में रेडियंट सेंट्रल एकेडमी अंबेडकर नगर, अंडर-17 में आर्मी पब्लिक स्कूल न्यू कैंट प्रयागराज और अंडर-19 में आर्मी पब्लिक स्कूल अयोध्या को ओवरऑल चैम्पियनशिप मिली। अंडर-14 बालक वर्ग में अंशुमान राय (सेठ एमआर जयपुरिया, चंदौली), अंडर-17 में अंडर-17 में सत्यांश यादव (सेंट जेवियर्स, जौनपुर) और अंडर-19 में मोहम्मद हुजैफ़ा (बीएनएस इंग्लिश स्कूल) सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुने गये। अंडर-14 बालिका वर्ग में आरोही सिंह (खेलगांव पब्लिक स्कूल प्रयागराज), अंडर-17 में इशिका वर्मा (जेबी एकेडमी, अयोध्या) और अंडर-19 में ज्योत्सना सिंह (एबीएस रोलैंड स्कूल वाराणसी) सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुनी गईं। कॉलेज के संरक्षक राधेश्याम तिवारी और निदेशक तनुज तिवारी ने खिलाड़ियों को मेडल वितरित किये।

डीपीएल 2025: वेस्ट दिल्ली लॉयंस ने चेज किया 209 रन का टारगेट, ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के दूसरे सीजन में एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जब वेस्ट दिल्ली लॉयंस ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ 209 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की। यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया और लीग के अब तक के सबसे हाई-स्कोरिंग मुकाबलों में से एक बन गयालक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्ट दिल्ली लॉयंस की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। ओपनर कृष्ण यादव ने सिर्फ 29 गेंदों में 62 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें चौकों और छक्कों की भरमार रही। उनके आउट होने के बाद आयुष डोसिजा ने पारी को संभालते हुए नाबाद 84 रन

(48 गेंद) बनाए और टीम को जीत तक पहुंचाया। टीम के कप्तान नितीश राणा ने भी तूफानी अंदाज में 15 गेंदों पर 39 रन जोड़े, जिससे रन रेट कभी भी नीचे नहीं गया और दबाव पूरी तरह विपक्षी टीम पर बना रहा। इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में 208/4 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कप्तान अनुज रावत ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 38 गेंदों में नाबाद 73 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनका साथ अर्पित राणा (44 रन, 28 गेंद) और मयंक रावत (40 रन, 28 गेंद) ने बखूबी निभाया, जिससे टीम को एक ठोस प्लेटफॉर्म मिला।हालांकि शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के बावजूद, ईस्ट दिल्ली राइडर्स अपनी गेंदबाजी से विपक्षी टीम की आक्रामकता को काबू में नहीं रख सके और मैच उनके हाथ से निकल गया। लॉयंस ने सिर्फ 17.3 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया, और इस सीजन की अब तक की सबसे शानदार जीतों में से एक दर्ज की।

ग्वालियर में प्रो पंजा लीग के सीजन 2 की घोषणा

एजेंसी

ग्वालियर। प्रो पंजा लीग (पीपीएल) ने ऐतिहासिक शहर ग्वालियर के जिवाजी क्लब में आयोजित लॉन्च इवेंट के दौरान सीजन-2 की आधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह तोमर, किराक हैदराबाद के सीईओ त्रिनाध रेड्डी, रोहतक रॉडीज़ के मालिक अभिषेक मलिक तथा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास और प्रीति झांगियानी उपस्थित रहे। इसी मौके पर नई और छठी फ्रेंचाइज़ी एमपी हथोड़ास का परिचय भी कराया गया, जिससे इस क्षेत्र में लीग का प्रभाव और बढ़ा है।

इस सीज़न में मुंबई मसल, जयपुर वीर, किराक हैदराबाद, शेर-ए-लुधियाना, रोहतक रॉडीज़ और एमपी हथोड़ास- कुल छह टीमें प्रतिष्ठित खिताब के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी। कार्यक्रम में 70 किलोग्राम भार वर्ग की दो रोमांचक शोकेस बाउट्स की भी घोषणा की गई- स्टीवे (किराक हैदराबाद) बनाम सिवाजित (शेर-ए-लुधियाना) और आकाश (एमपी हथोड़ास) बनाम आशीष (मुंबई मसल)। सीज़न 1 की सफलता के बाद प्रो पंजा लीग ने अपने आगामी सीज़न की मेज़बानी के लिए मनमोहक ग्वालियर, मध्य प्रदेश को चुना है। यह निर्णय भारतीय खेल नक्शे पर लीग की पहुंच को बढ़ाने और प्रतिष्ठित भारतीय स्थलों में टूर्नामेंट आयोजित कर खेलों की लोकप्रियता को मजबूत करने की रणनीति के अनुरूप है। ग्वालियर को मेज़बान शहर चुनने के पीछे 2022 में यहां आयोजित प्रो पंजा रैंकिंग टूर्नामेंट की सफल मेज़बानी का अनुभव भी अहम कारण रहा।

शहर की मेज़बानी को लेकर अपने विचार साझा करते हुए अभिनेता/निर्देशक एवं प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास ने कहा, 2022 के उन बड़े मुकाबलों के दौरान हमें ग्वालियर के जोशीले समर्थकों और बेहद आत्मीय स्वागत ने सबसे ज़्यादा प्रभावित किया। यहां की असली खेल भावना, मेहमाननवाज़ी और दर्शकों का ऊर्जा से भरा उत्साह इस शहर को हमारे टूर्नामेंट के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है। हम सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र सिंह खतैक और स्टेडियम प्राधिकरण का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस तरह के खेल आयोजन को ग्वालियर में संभव बनाया। इस शहर का माहौल खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए आदर्श है और हमें विश्वास है कि यहां हमारा संबंध और गहरा व समृद्ध होगा। टूर्नामेंट के प्रारूप में निर्धारित संख्या में पिन (राउंड जीतना) हासिल करने होते हैं, जो दो खिलाड़ियों के बीच कई बाउट्स के आधार पर तय होते हैं।

एमपीवीएम, आरएस ग्लोबल और आर्मी पब्लिक स्कूल विजयी

एजेंसी

प्रयागराज। सीबीएसई क्लस्टर-5 बास्केटबाल प्रतियोगिता में प्रयागराज के एमपीवीएम गंगागुरुकुलम, आरएस ग्लोबल स्कूल और आर्मी पब्लिक स्कूल न्यू कैंट ने अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। इसके अलावा सनबीम स्कूल अयोध्या और सनबीम बलिया को भी जीत मिली। शकुन विद्या निकेतन नैनी में शुरू हुई प्रतियोगिता में एमपीवीएम गंगागुरुकुलम ने उदया पब्लिक स्कूल अयोध्या को 22-21 से हराया। सेमस्टार ग्लोबल प्रयागराज ने आरएलएसएमसी बस्ती को 29-0 से आर्मी पब्लिक स्कूल न्यू कैंट ने हैप्पी माडल स्कूल वाराणसी को 30-4 से हराया। सनबीम अयोध्या ने महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर प्रयागराज को 26-12 से, सनबीम बलिया ने डालीमास स्कूल आजमगढ़ को 24-14 से हराया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीबीएसई के क्षेत्रीय अधिकारी अनिल कुमार जैन ने किया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को मेडल पहनाये। कौशाम्बी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन संजय कुमार गुप्ता, मदन मोहन शंखधर (प्राचार्य मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज), संजीव तिवारी (प्राचार्य केदारनाथ जायसवाल इंटर कॉलेज), आशुतोष मेमोरियल पब्लिक स्कूल के निदेशक गिरीश पांडेय विशिष्ट अतिथि रहे। शकुन विद्या निकेतन की प्रधानाचार्या शकुन्तला मिश्रा ने अतिथियों का स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप के चौथे दिन मिजोरम, मणिपुर और बिहार ने दर्ज की जीत

एजेंसी

काकीनाडा। 15वें हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के चौथे दिन मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। डिविज़न 'सी' में दादरा एवं नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी, हॉकी गुजरात और हॉकी मिजोरम ने बड़ी जीत दर्ज की, वहीं डिविजन 'बी' में मणिपुर, असम, हिमाचल और बिहार की टीमों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अंक बटोरें।

डिविजन 'सी' के परिणाम:

दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी ने जम्मू-कश्मीर को 6-0 से हराया। खुर्शीद ज़ैनब (35फीसदी, 56फीसदी, 57फीसदी) ने हैट्रिक जमाई। जनील शिहांगिया (49फीसदी), नंदनिबेन डुलसदा (47फीसदी) और राधिका दंडोतिया (44फीसदी) ने एक-एक गोल किया।

हॉकी गुजरात ने एक करीबी मुकाबले में राजस्थान को 3-2 से हराया। गुजरात के लिए पूरवा अड्रोजा (53'), परमार पूरीबेन (19') और पूजा डिहोरा (35') ने गोल

किए। राजस्थान के लिए गायत्री महावर (21') और कप्तान साक्षी शर्मा (47') ने गोल किए।

हॉकी मिज़ोरम ने तेलंगाना हॉकी को 15-0 से रौंदा। अंजना ज़ाक्सा ने 5 गोल (32', 38', 45', 46', 48') किए। ज़ोथनमावी ने 4 गोल (3', 19', 40', 50'), ज़े ललदिनत्लुआंगी ने 3 गोल (16', 18', 49') किए। एफ. लालबियाकसिआमी (22'), लालरेम्रुआती (21') और सी. मलसावमजेली (19') ने एक-एक गोल किया।

डिविजन 'बी' के परिणाम:

मणिपुर हॉकी ने ले पुडुचेरी हॉकी को 9-1 से हराया। रितु देवी लाईश्रम ने 4 गोल (5', 25', 46', 47') किए। कप्तान रोमिता वारीबम चानू (45', 59') ने दो गोल, कंगजम सिल्विया चानू (56'), देवी मुतुम प्रिया (28') और देवी थोकचोम दैनाली (55') ने एक-एक गोल किया। पुडुचेरी के लिए एकमात्र गोल धिव्यास्री (24') ने किया। असम हॉकी ने केरल हॉकी को 5-1 से हराया। अश्मिता टिग्गा ने हैट्रिक (10', 41', 49') लगाई। रेशमा जगत (12') और कप्तान सुमित्रा स्वर्गियारी (42') ने भी गोल किए। केरल के लिए एकमात्र गोल शनुषा पी.एम. (58') ने किया। हॉकी हिमाचल ने दिल्ली को 7-1 से हराया। खुशी वर्मा (27', 60'), रीमू देवी (38', 59') और मिताली शर्मा (6', 42') ने दो-दो गोल किए। सातवां गोल भूमि (11') ने किया। दिल्ली के लिए एकमात्र गोल निशा (32') ने किया। हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार ने हॉकी अरुणाचल को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र निर्णायक गोल आकांक्षा यादव (43') ने किया।

पांच वर्षों में 7.08 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी गई : पंकज चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया है, जिसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी भी शामिल है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। पंकज चौधरी की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने 2.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया है। वित्त राज्य मंत्री ने सदन को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों का पता चला। इनमें आधे से अधिक या 15,283 मामले आईटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे। इन मामलों में 58,772 करोड़ रुपये की कर चोरी की गई थी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.30 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता लगाया गया। इसमें 36,374 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी। चौधरी ने सदन को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता चला, जिसमें 24,140 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी दावे शामिल थे।

भारत पर तेल आयात को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ के आरोप गलत - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली । भारत ने अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा रूस से तेल आयात को लेकर की जा रही आलोचना का कड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत ने यूक्रेन संकट शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात शुरू किया, क्योंकि उस समय पारंपरिक तेल आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। जायसवाल ने बताया कि यह फैसला वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थितियों के कारण लिया गया ताकि भारतीय उपभोक्ताओं को सस्ती और स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्तियां यूरोप की ओर मोड़ दी गईं, जिससे भारत को रूस से आयात बढ़ाना पड़ा। यही नहीं, उस समय अमेरिका ने खुद भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनी रहे। बयान में कहा गया कि भारत के लिए यह कदम राष्ट्रीय जरूरत था, लेकिन जो देश आज भारत की आलोचना कर रहे हैं, वे स्वयं रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं और वह भी बिना किसी मजबूरी के। विदेश मंत्रालय ने आंकड़े देते हुए बताया कि 2024 में यूरोपीय संघ और रूस के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 67.5 अरब यूरो था।

केंद्र ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के नकारात्मक प्रभाव की खबरों का किया खंडन

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है, जिनमें पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई20) के संभावित नकारात्मक प्रभाव, खासकर पुराने वाहनों और ग्राहक अनुभव के बारे में चिंता जताई गई थी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हालांकि, ये चिंताएं काफी हद तक निराधार हैं और इसे लेकर वैज्ञानिक प्रमाण या विशेषज्ञ विश्लेषण का भी अभाव है। उन्होंने आगे कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण से वाहनों को नुकसान पहुंचने या उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी होने की बात वास्तविक तथ्यों पर आधारित नहीं है और इसमें तकनीकी आधार का भी अभाव है। कार्ब्युरेटेड और फ्यूल-इंजेक्टेड व्हीकल के पहले 1,00,000 किलोमीटर के दौरान हर 10,000 किलोमीटर पर टेस्टिंग के माध्यम से वाहनों के मैकेनिकल, एनर्जी और पर्यावरणीय प्रदर्शन पर इथेनॉल-पेट्रोल मिश्रण के उपयोग के प्रभाव पर इंटरनेशनल स्टडी से सांख्यिकीय रूप से पावर और टॉर्क जनरेटर तथा ईंधन की खपत में कोई अंतर नहीं दिखा।

इंडिगो ने लॉजिस्टिक्स सेवाओं के लिए एसीएल एयरशॉप से किया करार

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने यूनिट लोड डिवाइस (यूएलडी) प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स सेवाओं के लिए अमेरिकी कंपनी एसीएल एयरशॉप के साथ करार किया है। एयरलाइंस ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह करार कार्गो और यात्री दोनों तरह के परिचालनों के लिए किया गया है। भारतीय उपमहाद्वीप में एसीएल एयरशॉप का यह करार है। यूएलडी प्रबंधन में कार्गो और यात्रियों के बैगेज की हैंडलिंग शामिल है। इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (कार्गो) मार्क सच ने कहा कि यूएलडी की हमारी जरूरत बढ़ने के मद्देनजर एसीएल एयरशॉप के साथ साझेदारी कर हमें खुशी है। उन्होंने एयरलाइंस की जरूरत को ध्यान में रखते हुये सिर्फ दो महीने में पूरी तरह परिचालन शुरू कर दिया। एसीएल एयरशॉप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बर्नहार्ड किंडलबैचर ने इंडिगो के साथ रणनीतिक साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि यह वैश्विक यूएलडी प्रबंधन सेवा में अगुवा के रूप में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करता है।

केंद्र ने बंगाल के विकास के लिए दिए 1.10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा: शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के विकास, गांव-गरीब और मजदूरों के कल्याण तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014-15 से अब तक अकेले ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ही पश्चिम बंगाल को 1.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि विभिन्न योजनाओं के जरिए दी गई है।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 16,505 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 25,798 करोड़ रुपये, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना और आरएसईटीआई के तहत 274 करोड़ रुपये, मनरेगा (2014-15 से 2022 तक) 54,465 करोड़

रुपये, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में 3,881 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत 8,389 करोड़ रुपये सीधे पश्चिम बंगाल के गरीबों और जरूरतमंदों तक पहुंचाए गए हैं। शिवराज सिंह चौहान एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इन आंकड़ों से यह स्पष्ट हो जाता है कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के गांव, गरीब और मजदूरों के जीवन में परिवर्तन के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है, चाहे वह पक्का घर हो, सड़क हो, आजीविका या रोज़गार हो। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन में बुरी तरह विफल रही है। 2019 से 2022 के बीच केंद्र की टीमों ने पश्चिम बंगाल के 19 जिलों में जांच की, जिसमें मनरेगा के कार्यों में भारी अनियमितताएं पाई गईं। इनमें कार्यस्थल पर वास्तविक कार्य न होना, नियम विरुद्ध कामों को हिस्सों में तोड़ना, धन की हेराफेरी जैसी गंभीर बातें उजागर हुईं। इसी के चलते ग्रामीण विकास मंत्रालय को मनरेगा अधिनियम की धारा 27 के तहत पश्चिम बंगाल का फंड रिलीज़ करना रोकना पड़ा है।

शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के मामले में भी शिकायतें मिलीं कि राज्य सरकार ने अपात्र परिवारों का चयन किया, पात्रों को हटाया और योजना का नाम बदलकर नियमों की अनदेखी की। ये सारी शिकायतें राष्ट्रीय और केंद्रीय मॉनिटरिंग टीमों द्वारा सही पाई गईं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि बार-बार अनुरोध के बावजूद पश्चिम बंगाल राज्य सरकार ने सुधार या पारदर्शिता के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। दुर्भाग्यवश, पश्चिम बंगाल सरकार विश्वास, जिम्मेदारी और पारदर्शिता पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। केंद्र सरकार बंगाल के लोगों के विकास, कल्याण और अधिकारों के लिए पहले भी प्रतिबद्ध थी और आगे भी रहेगी।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड का आईपीओ 7 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 139-147 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाले जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 7 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने इस आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 139-147 रुपये प्रति शेयर तय किया है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट के शेयर 14 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध हो सकते हैं। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि ये आईपीओ गुरुवार, 7 अगस्त को खुलेगा, निवेशक इसमें निवेश करने के लिए 11 अगस्त तक अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 139-147 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड इस इश्यू से 3,600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड के 10 रुपये प्रति शेयर फेस वैल्यू वाले आईपीओ में निवेशक कम से कम 102 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके बाद 102 शेयर के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1,600 करोड़ रुपये के नए शेयर किए जाएंगे। इसमें 2,000 रुपये करोड़ के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) भी शामिल है। कंपनी नए शेयरों से मिले पैसों में से 800 करोड़ रुपये तक का इस्तेमाल राजस्थान के नागौर में नई सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए करेगी। इसके अलावा 520 करोड़ रुपये तक का इस्तेमाल कंपनी के कुछ कर्ज चुकाने या कम करने के लिए होगा, जबकि बाकी शेष राशि जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए इस्तेमाल करेगी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड भारत की एक सीमेंट निर्माण करने वाली कंपनी है, जो हरित (ग्रीन) सीमेंट उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित है। ये कंपनी मिश्रित सीमेंट का उत्पादन करती है। भारत और विश्व की दूसरी सीमेंट कंपनियों की तुलना में जेएसडब्ल्यू सीमेंट का कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सबसे कम है।

रेप्को बैंक ने अमित शाह को 22.90 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। रेप्को बैंक ने नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 22.90 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा। इस अवसर पर शाह ने बैंक की सराहना करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इस बैंक ने दक्षता, समर्पण और व्यावसायिकता का एक ऐसा उदाहरण स्थापित किया है जो सहकारी क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।रेप्को बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 140 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ अर्जित किया है और 30 प्रतिशत का लाभांश दिया, जो सहकारी समिति के इतिहास में सर्वाधिक है। गृह मंत्री ने बैंक की टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर रेप्को बैंक के अध्यक्ष ई. संथानम, निदेशक एवं रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष सी. थंगराजू और प्रबंध

निदेशक ओ.एम. गोकुल ने केन्द्रीय मंत्री को लाभांश चेक सौंपा। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और सचिव, सीमा प्रबंधन डॉ. राजेंद्र कुमार भी उपस्थित थे।रेप्को बैंक, भारत सरकार का एक उद्यम है, जिसमें भारत सरकार की 50.08 प्रतिशत हिस्सेदारी है और यह गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। यह बैंक पिछले तीन दशकों से लगातार लाभ कमा रहा है और नियमित रूप से लाभांश घोषित करता आ रहा है।

कैट से जुड़े व्यापारियों ने किया संसद भवन का दौरा, ओम बिड़ला ने किया संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक के सांसद एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल के नेतृत्व में संगठन से जुड़े व्यापारियों को संसद भवन का दौरा किया। देशभर से आए करीब 150 प्रमुख व्यापारी नेताओं को नए और पुराने संसद भवन का भ्रमण कराया गया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दौरे का मुख्य आकर्षण तब बना जब कैट व्यापारियों को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने संसद परिसर स्थित अपने मीटिंग कक्ष में संबोधित किया। अपने संबोधन में बिड़ला ने कहा कि कैट व्यापारियों का देशव्यापी संगठन है, जो पूरे देश में व्यापारियों के लिए कार्य कर रहा है। व्यापारी और व्यापार देश की रीढ़ की हड्डी है। व्यापारी न केवल रोजगार सृजित करता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अपने संबोधन में

कहा कि बदलते हुए आर्थिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों को अपने स्तर को ऊंचा उठाना होगा। हम सभी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश को दोहराते हुए कहा कि व्यापारियों को देश और अपने हित मे अब स्वदेशी समान बेचना और खरीदना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि व्यापार और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को उनके संज्ञान में लाया जाए, तो वे अधिक से अधिक व्यापार से जुड़े विषयों को संसद में चर्चा के लिए लाने का प्रयास करेंगे। सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि देश के व्यापारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारतीय सामान खरीदो और बेचो के आह्वान का पूर्ण समर्थन करते हैं। इसके लिए 10 अगस्त से पूरे देश में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा। यह अभियान भारत के आर्थिक स्वाभिमान को मजबूत करेगा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इलैक्ट्रिक कार निर्माण इकाई का किया उद्घाटन

एजेंसी

थूथुकुडी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने थूथुकुडी में स्थापित वियतनामी कंपनी विनफास्ट के एक इलेक्ट्रिक कार निर्माण इकाई का उद्घाटन किया और पहली कार की बिक्री की शुरूआत भी की। मुख्यमंत्री ने यहां राष्ट्रीय निवेशक सम्मेलन में भी भाग लिया। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में औद्योगिक निवेश से संबंधित 32,000 करोड़ रुपये के 41 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में भारत की राजधानी है। देश के कुल इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन का 40 प्रतिशत तमिलनाडु में उत्पादित होता है। उन्होंने कहा कि विरुधुनगर ज़िले में 1,052 एकड़ में एक टेक्सटाइल पार्क स्थापित किया जा रहा है। हम अविकसित ज़िलों में बड़ी संख्या में

रोज़गार के अवसर पैदा करने वाले कारखाने स्थापित कर रहे हैं। राज्य में लगभग 32,554 करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश से यहां के 50 हजार लोगों को रोज़गार मिलेगा। द्रविड़ मॉडल सरकार ने तमिलनाडु में औद्योगिक विकास को प्राथमिकता देकर इसके लिए एक रूपरेखा तैयार की है। हम लगातार निवेशक सम्मेलन और निवेशक बैठकें आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने चेन्नई, कोयंबटूर, जापान और स्पेन जैसी कई जगहों पर निवेशक सम्मेलन आयोजित किए हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के इतिहास में आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। दुनिया की अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निर्माण कंपनी विनफास्ट ने नींव रखने के 17 महीने के भीतर ही अपना उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके लिए मैं तमिलनाडु सरकार की ओर से कंपनी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री ने इससे पहले वियतनामी कंपनी विनफास्ट की ओर से थूथुकुडी में बनी इलेक्ट्रिक कार निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पहली कार की बिक्री शुरू की। उन्होंने संयंत्र में निर्मित पहली इलेक्ट्रिक कार पर हस्ताक्षर भी किए।

मजबूत ग्लोबल संकेतों की मदद से मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार की जा रही पूंजी की निकासी और अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर बनी अनिश्चितताओं का असर एक बार फिर भारतीय मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। नकारात्मक माहौल और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण रुपया आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही डॉलर की तुलना में गिरावट का शिकार हो गया। आज डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा 11 पैसे फिसल कर 87.66 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 87.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत जोरदार मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा रुपये ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 34 पैसे की तेजी के साथ 87.21 के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद भारत की मुद्रा और मजबूत होकर 87.19 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंची। इसके बाद विदेशी निवेशकों की स्टॉक मार्केट से अपनी पूंजी की निकासी शुरू करने से रुपया ऊपरी स्तर से 51 पैसे की गिरावट के साथ 87.70 के स्तर तक पहुंच गया। अंत में डॉलर की आवक में थोड़ी तेजी आई, जिसके कारण रुपये की स्थिति में थोड़ा सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 11 पैसे की कमजोरी के साथ 87.66 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। फौरेक्स मार्केट के एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत-अमेरिका के बीच होने वाले प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी के कारण बाजार में लगातार नकारात्मक माहौल बना हुआ है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,510 रुपये से 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर को पार कर गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछाल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये से लेकर 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,960 रुपये से लेकर 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,12,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट

सोना आज 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीएसटी अधिकारियों ने लोहा-इस्पात क्षेत्र में फर्जी आईटीसी गिरोह का भंडाफोड़ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के दिल्ली दक्षिण आयुक्त कार्यालय ने लोहा एवं इस्पात कारोबार में 47.12 करोड़ रुपये मूल्य के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की कथित धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जीएसटी अधिकारियों ने लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में 47.12 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का धोखाधड़ी से लाभ उठाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ये मामला लगभग 261 करोड़ रुपये के कर योग्य मूल्य के फर्जी चालानों के आधार पर कुल 47.12 करोड़ रुपये के आईटीसी का लाभ उठाने और उसे आगे बढ़ाने से जुड़ा है, जबकि

वास्तव में माल की आपूर्ति की ही नहीं गई। मंत्रालय ने बताया कि यह मामला सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयोग द्वारा किए गए व्यापक पहल का हिस्सा है, जो नकली आईटीसी नेटवर्क को नष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण राजस्व नुकसान को कम करने के लिए प्रेरित करता है। विभाग इस तरह की धोखाधड़ी गतिविधियों को पहचानने और बाधित करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और सप्लाई चेन मैपिंग टूल का लाभ उठा रहा है। इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है।

सेल ने विशेष इस्पात आपूर्ति के साथ नौसेना के स्वदेशीकरण को मजबूत किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) जुलाई में भारतीय नौसेना के दो प्रमुख जहाजों आईएनएस 'अजय' और आईएनएस 'निस्तार' के लिए विशेष इस्पात की आपूर्ति करके भारत के रक्षा स्वदेशीकरण प्रयासों में अहम भूमिका निभा रही है।इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इन दोनों जहाजों में से आईएनएस 'अजय' को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने पिछले महीने जुलाई के दौरान लांच किया, जबकि आईएनएस निस्तार को पिछले महीने जुलाई के दौरान ही हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा कमीशन किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक आईएनएस 'अजय' के लिए सेल ने जरूरत की पूरी डीएमआर ग्रेड स्टील प्लेट्स की आपूर्ति की है, जो इस उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात पोत की संरचनात्मक मजबूती और स्टील्थ क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है। आईएनएस 'अजय' गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आठवां और अंतिम स्वदेशी एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) है। इसी तरह से सेल ने हाल ही में कमीशन किए गए आईएनएस निस्तार के लिए विशेष ग्रेड प्लेट्स की जरूरत की पूरी मात्रा की सप्लाई की है।

मजबूत ग्लोबल संकेतों की मदद से मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेत, क्रूड ऑयल में आई कमजोरी और मेटल तथा ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आई जोरदार तेजी ने आज घरेलू शेयर बाजार के कारोबार में भी तेजी ला दी। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। हालांकि सुबह 11 बजे के थोड़ी देर पहले लिवालों ने अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से बाजार लगातार ऊपर चढ़ता चला गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.52 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान रियल्टी, मेटल, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 448.82 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.52 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.30 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,286 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,286 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,847 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,716 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,637 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,079 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 43 शेयर हरे निशान में और 7 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 165.92 अंक की मजबूती के साथ 80,765.83 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के आधा घंटा बाद बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 99.40 अंक की कमजोरी के साथ 80,500.51 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स को कुछ देर में ही हरे निशान में वापस पहुंचा दिया। दोपहर 11 बजे के बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से आज का कारोबार खत्म होने का थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 493.28 अंक उछल कर 81,093.19 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मुनाफा वसूली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 75 अंक फिसल कर 418.81 अंक की तेजी के साथ 81,018.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 30.70 अंक उछल कर 24,596.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में उतार चढ़ाव होता रहा, जिसकी वजह से ये सूचकांक 11.35 अंक की कमजोरी के साथ 24,554 अंक तक गिर गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई।

रूस से तेल खरीद पर ट्रंप की भारत को चेतावनी, कहा- और बढ़ाएंगे टैरिफ

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर आयात शुल्क (टैरिफ) और बढ़ाने की धमकी दी है। कुछ दिन पहले ही उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन अब उन्होंने रूस से तेल खरीद और उसके कथित पुनः विक्रय को लेकर भारत पर और कड़ी कार्रवाई की बात कही है। ट्रंप ने सोमवार रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए कहा, भारत न केवल बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि उसका एक बड़ा हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच रहा है। उन्हें परवाह नहीं है कि यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी वजह से अमेरिका भारत पर लगने वाले टैरिफ को 'काफी बढ़ाएगा'। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि टैरिफ में कितनी वृद्धि की जाएगी। उल्लेनखीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने 01 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लागू करने का ऐलान किया था। इस टैरिफ को उन्होंने रूस से भारत के रक्षा और ऊर्जा आयात से जोड़ते हुए अतिरिक्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी।

लिथुआनिया के वित्त मंत्री रिमंतास सादजियस बने देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री

विलनियस। लिथुआनिया के राष्ट्रपति गिटानस नौसेदा ने प्रधानमंत्री गिंटौटस पलुक्कास के इस्तीफे के बाद वित्त मंत्री रिमंतास सादजियस को नए मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रधानमंत्री ने औपचारिक रूप से अपनी सरकार का इस्तीफा सौंप दिया। इससे पहले उन्होंने घोषणा की थी कि अपनी साली की कंपनी के साथ अपने व्यावसायिक संबंधों को लेकर दबाव के बीच वह पद छोड़ देंगे। नौसेदा ने अपने कार्यालय द्वारा प्रकाशित एक आदेश में कहा, मैं रिमंतास सादज़ियस को नई सरकार के गठन तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने का निर्देश देता हूं। 64 वर्षीय सादजियस पिछले साल दिसंबर से लिथुआनिया के वित्त मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले वे दो बार इस पद पर रह चुके हैं- पहली बार 2007 से 2008 और फिर 2012 से 2016 तक। इसके अतिरिक्त, वे 2016 से 2025 तक यूरोपीय लेखा न्यायालय के सदस्य भी रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पालुक्सास की पार्टी सोशल डेमोक्रेट्स इस सप्ताह के अंत तक नए स्थायी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सकती है। हालांकि, किसी भी नए प्रधानमंत्री को संसद में बहुमत साबित करना होगा, जो फिलहाल एक जटिल प्रक्रिया हो सकती है। सोशल डेमोक्रेट्स के पास अकेले बहुमत नहीं है और उन्हें फॉर लिथुआनिया (सेंटर-लेफ्ट) और नेमुनास डॉन (लोकप्रियतावादी) जैसे गठबंधन सहयोगियों का समर्थन हासिल करना होगा, जो अक्सर आपस में मतभेद रखते हैं।

ट्रंप की चेतावनियों के बीच रूस का नरम रुख, जेलेंस्की से मिलने को तैयार हुए पुतिन

मॉस्को/कीव। यूक्रेन में फरवरी, 2022 से जारी युद्ध को लेकर एक नई कूटनीतिक हलचल देखने को मिल रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से सीधी मुलाकात करने के लिए तैयार हो गए हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस संबंध में संकेत देते हुए कहा कि विशेषज्ञ स्तर पर तैयारियां पूरी होते ही पुतिन जेलेंस्की से मिलने को तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और संभावित राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन में युद्धविराम के लिए रूस पर दबाव बढ़ा दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि अगर रूस युद्ध नहीं रोकता तो अमेरिका उसकी अर्थव्यवस्था पर और भी सख्त प्रतिबंध लगाएगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पहले से ही पुतिन के साथ ट्रंप की मौजूदगी में सीधी बातचीत की मांग करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि आमने-सामने की बातचीत से ही उन्हें एक वैध नेता के तौर पर मान्यता मिलेगी और समाधान की ठोस राह खुलेगी। अब जब पुतिन की ओर से सहमति के संकेत मिले हैं, तो यह युद्धविराम और संभावित शांति वार्ता की ओर एक बड़ा कदम माना जा रहा है। रूस की ओर से नरम संकेत तो मिले हैं, लेकिन पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यूक्रेन पर हमले की जिन मूल मांगों के आधार पर युद्ध शुरू हुआ था, वह अब भी कायम हैं। इसका मतलब है कि रूस की ओर से शांति वार्ता की सहमति के बावजूद कई मुद्दों पर टकराव बना रह सकता है।

जापान में पूर्व पीएम आबे के सहयोगी कोइची हागिउदा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू

टोक्यो। जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की नीति अनुसंधान परिषद के पूर्व अध्यक्ष कोइची हागिउदा को दान के रूप में मिले पैसे में हेराफेरी के आरोप का सामना करने का रास्ता साफ हो गया। टोक्यो जिला लोक अभियोजक कार्यालय ने अपने पिछले फैसले को पलटते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जापान के अखबार द असाही शिंबुन के अनुसार एलडीपी के इस सहयोगी पर पार्टी के दूसरे गुट से प्राप्त 22.9 मिलियन येन के दान को दर्ज न करने का संदेह है। चार साल में प्राप्त राजनीतिक चंदा, आय और व्यय की रिपोर्ट की जांच में यह संदेह और पुख्ता हुआ है। अभियोजकों का मानना है कि कोइची हागिउदा ने राजनीतिक धन नियंत्रण कानून का उल्लंघन किया है। अभियोजकों ने कानूनी प्रक्रिया के प्रारूप में जुर्माना जैसे दंड का प्रावधान किया है। इसमें कहा गया है कि अगर हागिउदा इसके लिए तैयार नहीं होते तो खुली अदालत में मुकदमा चलाया जाए। असाही शिंबुन के अनुसार हागिउदा एलडीपी के सबसे बड़े गुट का हिस्सा रहे हैं।

बलूचिस्तान के केच में जंगयान बलूच के घर पर हमला

एजेंसी

क्वेटा (बलूचिस्तान)। पाकिस्तान समर्थित भाड़े के हत्यारों (मौत दस्ता) ने सोमवार रात केच जिले में थिसिल टेम्प के तेलकान क्षेत्र में जंगयान बलूच के घर पर हमला किया। हमले में फिलहाल किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। जंगयान के घर पर इससे पहले भी कई बार हमला किया जा चुका है। द बलूचिस्तान पोस्ट की बलूची भाषा की समाचार सेवा की खबर के अनुसार, एक स्थानीय संवाददाता ने सूचित किया है कि यह हमला रात में हुआ, लेकिन इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जंगयान बलूच के घर पर पहले भी कई बार हमला हो चुका है। बलूचिस्तान में मौत दस्तों और पाकिस्तान समर्थित संस्थाओं पर गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप हैं। इन आरोपों में जबरन अपहरण, न्यायेतर हत्याएं और

नागरिकों को निशाना बनाना शामिल हैं। इस बीच द बलूचिस्तान पोस्ट की अंग्रेजी भाषा की समाचार सेवा की खबर के अनुसार, एक दशक से भी अधिक समय से लापता अमीर बख्श बलूच के परिवार ने कराची प्रेस क्लब में संवाददाता सम्मेलन कर संघीय सरकार से उनके ठिकाने का खुलासा करने और अगर कोई आरोप है तो उन्हें अदालत में पेश करने की अपील की है। इस दौरान केंद्रीय बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) की नेता सम्मी दीन बलूच भी मौजूद थीं। अमीर बख्श की बेटी सदाफ बलूच ने कहा कि उनके पिता को 4 अगस्त 2014 को ग्वादर के अंबी बाजार कुलांच इलाके से सुरक्षा बल जबरन उठा ले गए थे। ग्यारह साल बीत चुके हैं। अभी भी नहीं पता कि वह कहां हैं या जिंदा भी हैं या नहीं। सदाफ ने कहा कि यह सिर्फ एक व्यक्ति का गायब होना नहीं है, यह पूरे परिवार की निरंतर पीड़ा, मनोवैज्ञानिक आघात और सामाजिक मृत्यु है। सदाफ बलूच ने कहा कि पिता को ढूंढ़ने के लिए उसने परिवार के साथ सभी कानूनी और शांतिपूर्ण रास्ते अपना लिए हैं। परिवार को सब जगह से निराशा ही हाथ लगी है। सदाफ ने संघीय सरकार, न्यायपालिका, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और मानवाधिकार संगठनों से अपील करते हुए कहा कि यह किसी राजनीतिक आंदोलन की मांग नहीं है। यह एक बेटी की गुहार है।

तूफान फ्लोरिस का कहर : ब्रिटेन और आयरलैंड में यातायात एवं बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित

एजेंसी

लंदन/डबलिन। तूफान फ्लोरिस ने ब्रिटेन और आयरलैंड के कई हिस्सों में व्यापक तबाही मचाई है। स्कॉटलैंड में रेल सेवाएं बुरी तरह बाधित हुई हैं, जबकि आयरलैंड में हजारों घरों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की बिजली गुल है नेटवर्क रेल ने यात्रियों को चेतावनी दी है कि स्कॉटलैंड में रेल नेटवर्क पर तूफान का असर जारी रह सकता है, क्योंकि सड़कों और पटरियों पर गिरे पेड़ों और मलबे को हटाने का काम तेजी से जारी है। हालांकि काफी हद तक रास्ते साफ किए जा चुके हैं, लेकिन मंगलवार सुबह अंतिम सुरक्षा जांच के बाद ही सेवाएं पूरी तरह बहाल की जा सकेंगी। वहीं आयरलैंड में करीब 2700 घरों, फार्महाउस और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में बिजली नहीं है, जिसकी पुष्टि ईएसबी नेटवर्क्स ने की है। कंपनी के मुताबिक, उनकी टीमें देर रात तक बिजली बहाल करने का प्रयास कर रही हैं और अधिकांश उपभोक्ताओं को आज रात तक सेवा बहाल होने की उम्मीद है। कंपनी ने अपने बयान में कहा, ÷हम इस असुविधा के लिए सभी प्रभावित घरों, फार्मों और व्यवसायों से क्षमा मांगते हैं। बिजली कटौती और बहाली की जानकारी के लिए उपभोक्ता पॉवर चेक डॉट आईई वेबसाइट पर रीयल-टाइम अपडेट देख सकते हैं।तूफान फ्लोरिस के कारण कई क्षेत्रों में तेज हवाएं और मूसलाधार बारिश हुई है, जिससे पेड़ उखड़ गए, आधारभूत ढांचे को नुकसान हुआ और यात्रा बेहद जोखिम भरी हो गई। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सावधानी बरतें और यात्रा से पहले ताजा अपडेट जरूर लें।

टेक्सास के 50 से ज्यादा डेमोक्रेट्स के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

एजेंसी

ऑस्टिन (टेक्सास)। रिपब्लिकन हाउस स्पीकर डस्टिन बरोज ने 50 से ज्यादा डेमोक्रेट्स के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। सदन में इनके अनुपस्थित न रहने से कोरम पूरा नहीं हो सका। इसलिए कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी की संख्या बढ़ाने का मंसूबा पूरा नहीं हो सका। ऑस्टिन अमेरिकन-स्टेट्समैन की खबर के अनुसार, बरोज ने सदन में कहा, वे राज्य छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने मतदाताओं से भी मुंह मोड़ लिया जिनका प्रतिनिधित्व करने की उन्होंने शपथ ली थी। वे राज्य के बाहर के राजनेताओं और कार्यकर्ताओं के दबाव में अपनी जिम्मेदारी से पीछे भाग रहे हैं। इसके तुरंत बाद गवर्नर ग्रेग एबॉट ने टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया कि ऐसे किसी भी सदस्य का पता लगाएं, उसे गिरफ्तार करें और सदन के कक्ष में वापस लाएं। यह वारंट कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सदन में अनुपस्थित

पाए गए सदस्यों को वापस बुलाने के लिए बाध्य करते हैं। बावजूद इसके कोरम भंग करने पर उनकी आपराधिक गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। यह वारंट अधिकारियों को राज्य से बाहर जाकर उन दर्जनों डेमोक्रेट्स को वापस लाने का अधिकार नहीं देते जो सदन को आवश्यक कोरम से वंचित करने के लिए इलिनॉय (न्यूयॉर्क) और मैसाचुसेट्स चले गए। सदन के 62 डेमोक्रेटिक सदस्यों में से केवल छह ही सात मिनट तक सत्र में उपस्थित रहे। लुबॉक से रिपब्लिकन उम्मीदवार बरोज ने सदन को बताया कि जल्द ही मतदान करवा कर पुनर्वितरण योजना को मंजूरी दिलाई जाएगी। यही बात उन्होंने संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन में दोहराई।

यमन नौका त्रासदी, सिर्फ 12 यात्रियों को बचाया जा सका, 142 की मौत

एजेंसी

सना (यमन)। यमन के तट पर रविवार को पलटी नाव में सवार 154 प्रवासियों में से सिर्फ 12 को बचाया जा सका है। बाकी 142 यात्रियों की मौत हो गई। यह सभी इथियोपिया के रहने वाले हैं। यमन में संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव ने यह जानकारी दी। फ्रांस के ल्योन से संचालित 'अफ्रीकान्यूज' समाचार चैनल की खबर के अनुसार, एसोव ने बताया कि अदन की खाड़ी में हुई इस त्रासदी में केवल 12 लोगों को बचाया जा सका, जबकि शेष 142 यात्रियों को मृत मान लिया गया है। अब तक 68 से अधिक शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से अधिकतर पश्चिमी यमन के खानफा तट पर पाए गए। अबयान सुरक्षा निदेशालय ने बयान में त्रासदी को देखते हुए वृहद खोज और बचाव अभियान चलाया गया। संयुक्त प्रवासन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल हजारों प्रवासी (इनमें ज्यादातर इथियोपियाई होते हैं) अफ्रीका के हॉर्न से लाल सागर

पार कर यमन से होते हुए अमीर खाड़ी देशों में काम की तलाश में जाते हैं। सर्वाधिक यात्रा किया जाने वाले इस मार्ग को सबसे खतरनाक माना जाता है। इसी साल मार्च में जिबूती और यमन के बीच समुद्र में चार नावों के पलट जाने से 186 अफ्रीकी लापता हो गए थे। इस लिहाज से 2024 दुखदायी रहा। इस साल 550 प्रवासियों की मौत हो गई थी। संयुक्त प्रवासन केंद्र ने कहा कि यमन में चल रहे गृहयुद्ध ने प्रवासियों के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

बीएलए और बीएलएफ का दावा, लड़ाकों ने पाकिस्तान की सेना के वाहन फूंके

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत दो सशस्त्र समूहों बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) पाकिस्तान के सैन्य कर्मियों, आपूर्ति काफिलों और संसाधन परिवहन वाहनों को निशाना बनाकर किए गए पांच से अधिक हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह हमले जमुरान, धादर और मस्तुंग जिलों में किए गए। लड़ाकों ने पाकिस्तान सेना के कई वाहनों को फूंक दिया। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने जारी बयान में दावा किया कि समूह के लड़ाकों ने जमुरान, धादर और मस्तुंग जिलों में सैन्य चौकियों, आपूर्ति वाहनों और खनिज परिवहन ट्रकों को निशाना बनाकर पांच स्थानों पर हमला किया। लड़ाकों ने रविवार को जमुरान के जबशान इलाके में पाकिस्तान के सैन्य कर्मियों पर रिमोट-नियंत्रित

आईईडी हमला किया। हमले में दो सैनिक घायल हो गए। दोनों सैनिक अपनी चौकी पर पानी ले जा रहे थे। सशस्त्र समूह ने कहा कि लड़ाकों ने धादर के सुन्नी शोरान इलाके में मुख्य सैन्य शिविर के द्वार पर तैनात कर्मियों को भी निशाना बनाया। हमले में कई लोग हताहत हुए। बीएलए ने दावा किया कि हमले के बाद, सेना ने आस-पास के नागरिक इलाकों पर मोर्टार के गोले दागे। बीएलए ने कहा कि लड़ाकों ने मस्तुंग के गुलाम परांज में बलूच के राष्ट्रीय संसाधनों के दोहन में शामिल दो वाहनों पर हमला किया और चेतावनी जारी करने के बाद ड्राइवरों को छोड़ दिया। समूह ने कहा कि उसने मस्तुंग के स्पिलिंजी के माराओ इलाके में पाकिस्तान की सेना के लिए राशन ले जा रहे दो ट्रकों को जब्त कर लिया और तिगरान के अब्दोई में एक अन्य आपूर्ति ट्रक को नष्ट कर दिया। जीयंद बलूच ने सभी ट्रांसपोर्टरों को सेना के लिए आपूर्ति या खनिजों का परिवहन बंद करने की चेतावनी दी है। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने पहली अगस्त को ग्वादर के कुंडासोल के सब्जकी इलाके में पाकिस्तान के एक सैन्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाराम बलूच के अनुसार, लड़ाकों ने शिविर को निशाना बनाकर कई मोर्टार गोले दागे। गोले शिविर के अंदर गिरे और भारी जनहानि हुई।

यूक्रेन में ड्रोन खरीद घोटाला : सांसद, पूर्व गवर्नर समेत 6 लोगों पर भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज

एजेंसी

कीव। यूक्रेन में सैन्य ड्रोन और जैमिंग उपकरणों की खरीद में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। इस मामले में एक सांसद, एक पूर्व गवर्नर, एक सैन्य अधिकारी सहित कुल छह लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार और धन की हेराफेरी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह जानकारी यूक्रेन की भ्रष्टाचार-निरोधी एजेंसी ने दी। राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एनएबीयू) के अनुसार, 2024-2025 के दौरान एक संगठित आपराधिक समूह ने स्थानीय प्रशासन द्वारा सेना की रक्षा जरूरतों के लिए आवंटित धन का दुरुपयोग किया। इन लोगों ने सेना के लिए खरीदे गए ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग उपकरणों के अनुबंधों में जानबूझकर कीमतें बढ़ाकर करीब 30 प्रतिशत तक की रिश्वत ली। ब्यूरो ने बताया कि इस घोटाले के तहत किया गया ड्रोन अनुबंध 2.4 लाख डॉलर का था, जिसमें 80 हजार डॉलर की अनावश्यक कीमत जोड़ी गई थी। ये सभी उपकरण यूक्रेन में ही स्थानीय स्तर पर निर्मित किए गए थे।

मामले में जिन लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं, उनमें एक सांसद, एक बर्खास्त अधिकारी, एक क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख, एक सैन्य प्रशासन के प्रमुख, नेशनल गार्ड यूनिट के कमांडर, और एक ड्रोन निर्माता कंपनी के निदेशक व मालिक शामिल हैं। हालांकि, जांच के हित में अभी किसी आरोपी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। यूक्रेन की विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने सांसद को दो महीने की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है, साथ ही लगभग 1,90,000 डॉलर की जमानत राशि भी तय की गई है।

दक्षिण कोरिया, यूरोपीय संघ, जापान ने कम टैरिफ के लिए अमेरिका से किए समझौते

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी टैरिफ के सात अगस्त को प्रभावी होने से पहले दक्षिण कोरिया, यूरीपय संघ और जापान ने महत्वपूर्ण घोषणा कर राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के कोपभाजन का शिकार बनने से बचने की कोशिश की है। दक्षिण कोरिया ने अपने समझौते में कम टैरिफ दर सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने और 100 अरब डॉलर की तरलीकृत प्राकृतिक गैस खरीदने पर सहमति जताई है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में यह जानकारी दी गई है। साथ ही यूरोपीय संघ ने संकेत दिया कि वह 750 अरब डॉलर की अमेरिकी ऊर्जा खरीदेगा और उसकी कंपनियां कम से कम 600 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए तैयार हैं। जापान ने कहा कि वह अमेरिका में निवेश के लिए 550 अरब डॉलर

का कोष स्थापित करेगा। सीएनबीसी की खबर के अनुसार, इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने सोमवार देररात जारी बयान में कहा कि भारत ने रूस से तेल आयात तभी शुरू किया जब 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई। मंत्रालय ने यूरोपीय संघ और अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा, यह उजागर हो रहा है कि भारत की आलोचना करने वाले देश खुद रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं। भारत ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के रातों-रात सोशल मीडिया पर नई दिल्ली को और भी ज्यादा टैरिफ लगाने की धमकी देने के बाद अमेरिका और यूरोपीय संघ रूसी तेल के आयात को लेकर उसे निशाना बना रहे हैंयूरोपीय आयोग के आंकड़ों के अनुसार, रूस के साथ यूरोपीय संघ का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 67.5 अरब यूरो (78.1 अरब डॉलर) था, जबकि 2023 में उसका सेवा व्यापार 17.2 अरब यूरो था। इन आंकड़ों का हवाला देते हुए भारत ने कहा कि इस समूह का व्यापार रूस के साथ भारत के कुल व्यापार से काफी अधिक है। मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के आंकड़ों से पता चला है कि मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नई दिल्ली और मॉस्को के बीच द्विपक्षीय व्यापार रिकॉर्ड 68.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो महामारी से पहले के 10.1 बिलियन डॉलर के व्यापार से लगभग 5.8 गुना अधिक है। भारत की यह प्रतिक्रिया ट्रंप के भारत पर शुल्क में काफी वृद्धि करने की धमकी के बाद आई है, हालाँकि उन्होंने उच्च शुल्क के स्तर को निर्दिष्ट नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले सप्ताह भारतीय निर्यात पर 25 फीसद शुल्क और एक अनिर्दिष्ट जुर्माना लगाने की धमकी दी थी।

राजतंत्र समर्थित आंदोलन का नेतृत्व कर रहे दुर्गा प्रसाई जेल से रिहा

एजेंसी

काठमांडू। राजतंत्र समर्थक और राजावादी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले दुर्गा प्रसाई को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जेल से रिहा कर दिया गया। अपनी रिहाई के कुछ ही समय बाद प्रसाई ने सोशल मीडिया प्लेट फार्म फेसबुक पर देश और विदेश में नेपालियों को उनके समर्थन, सहायता और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया। जेल से रिहा होने के बाद पत्रकारों को संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए दुर्गा प्रसाई ने कहा कि जब जिला अदालत ने उन्हें कारावास का आदेश दिया, तब भी फैसले का सम्मान किया और स्वेच्छा से जेल चला गया तथा आज जब उच्च न्यायालय के आदेश से रिहा किया गया तो राष्ट्र निर्माण के लिए भविष्य की योजनाओं के साथ घर लौटा हूं। न्याय पालिका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रसाई ने कहा, मैं

सभी सम्मानित न्यायाधीशों और पूरे अदालत परिवार को यह विश्वास दिलाने के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं कि देश में न्याय प्रणाली अभी मृत नहीं है। प्रसाई ने जेल प्रशासन, नेपाल पुलिस और साथी कैदियों के प्रति उनकी कैद के दौरान सहयोग के लिए उनकी सराहना की। राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा, मैं देश के लिए था, हूं और हमेशा रहूंगा। सत्ता और शासन बदल सकती हैं, लेकिन मेरा चरित्र नहीं बदलेगा। काठमांडू जिला अदालत के आदेश के अनुसार प्रासाई को 13 जून को दिल्लीबाजार जेल भेजा गया था। हालांकि, उच्च न्यायालय ने आज कई लंबित मामलों में 28 लाख रुपये की जमानत के भुगतान पर उनकी रिहाई का आदेश दिया। अदालत के निर्देश के बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया।

अमेरिकी टैरिफ पर छह महीने के लिए ईयू ने रोकी जवाबी कार्रवाई, ट्रंप से बनी अंतरिम सहमति

एजेंसी

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के जवाब में लागू की जाने वाली जवाबी कार्रवाई को छह महीने के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हाल ही में हुई एक अंतरिम समझ के बाद लिया गया है। ईयू आयोग के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।हालांकि यह समझौता एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। मसलन, शराब जैसे उत्पादों पर टैरिफ दरें तय नहीं हो पाई हैं। ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह जारी कार्यकारी आदेश के तहत अधिकांश ईयू उत्पादों पर 15 प्रतिशत शुल्क तय किया गया है, लेकिन कारों और कार-पुर्जों को कोई छूट नहीं मिली है। ईयू अधिकारियों का कहना है कि ट्रंप के और भी कार्यकारी आदेश जल्द सामने आ सकते हैं, जिससे स्थिति और स्पष्ट होगी। आयोग के प्रवक्ता ने कहा, 27 जुलाई को हुई सहमति के अनुरूप संयुक्त वक्तव्य को अंतिम रूप देने के लिए ईयू अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहा है। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने 6 महीने के लिए अमेरिका के खिलाफ अपनी जवाबी कार्रवाई स्थगित करने की प्रक्रिया शुरू की है, जो 07 अगस्त से प्रभावी होने वाली थी।

सिविल सर्विस विधेयक में गड़बड़ी करने के लिए संसदीय समिति के अध्यक्ष और सचिव ही दोषी पाए गए

एजेंसी

काठमांडू। सरकारी कर्मचारियों को अवकाश या इस्तीफे के दो साल तक किसी भी राजनीतिक या संवैधानिक नियुक्तियों में रोक लगाने संबंधी विधेयक में गड़बड़ी को लेकर गठित संसदीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट में संसदीय समिति के अध्यक्ष और सचिव को इसके लिए दोषी ठहराया गया है। इस जांच समिति के संयोजक जीवन परियार के अनुसार, रिपोर्ट में राज्य मामलों और सुशासन समिति के अध्यक्ष रामहरि खतिवडा और समिति के सचिव सूरज कुमार दुरा को कूलिंग पीरियड के प्रावधान को रद्द करने वाली भाषा डालने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। दो दिन और दो रात की व्यापक चर्चाओं के बाद, समिति ने आम सहमति बनाते हुए मंगलवार सुबह स्पीकर देवराज घिमिरे को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। परियार ने पुष्टि की कि रामहरि खतिवडा और सचिव दुरा की पहचान प्राथमिक जिम्मेदार व्यक्तियों के रूप में की गई है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस प्रक्रिया में प्रत्यक्ष और विषयगत रूप से शामिल अन्य लोग भी जिम्मेदार हैं। संसद में पंजीकृत संघीय सिविल सेवा विधेयक के मूल मसौदे में सेवानिवृत्त सचिवों और संयुक्त सचिवों के लिए दो साल की कूलिंग ऑफ पीरियड की

अनिवार्यता से बाहर रख दिए जाने के बाद यह विवाद शुरू हुआ था, जबकि सत्ता साझेदार दलों ने यह सहमति की थी कि यह नियम सभी स्तर के सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जाए। हालांकि, जब प्रतिनिधि सभा द्वारा विधेयक पारित किया गया, तो सेवानिवृत्त सिविल सेवकों को कूलिंग ऑफ पीरियड से छूट देते हुए एक नया खंड - धारा 82 (4) डाला गया, जिसमें सेवानिवृत्त सचिवों और संयुक्त सचिव को छूट दिए जाने का प्रावधान रखा हुआ था। इसके अतिरिक्त, सरकार की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता वाले वाक्यांश को हटा दिया गया। संसद की राज्य व्यवस्था समिति में सहमति और पारित होने के बाद इसे हूबहू प्रतिनिधि सभा में पेश करना था। जब प्रतिनिधि सभा से यह बहुमत से पारित होकर राष्ट्रीय सभा में भेजा गया तब इसकी पोल खुली। राष्ट्रीय सभा में भेजे गए विधेयक में व्यापक फेरबदल किया जा चुका था। इस पर विवाद के कारण परिवर्तन के लिए कौन जिम्मेदार था, इसकी जांच करने के लिए संसदीय जांच समिति का गठन हुआ। रविवार की सुबह से सोमवार की रात से मंगलवार की सुबह तक लगातार चर्चाओं के बावजूद, समिति शुरू में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में विफल रही। समिति को जांच के लिए 21 दिन का समय दिया गया था, जिसमें 7 दिन का विस्तार किया गया था। मूल समय सीमा रविवार आधी रात को समाप्त हो गई, लेकिन विस्तारित विचार-विमर्श के बाद सदस्यों ने मंगलवार सुबह अंतिम रिपोर्ट पर हस्ताक्षर किए। समिति का समन्वय नेपाली कांग्रेस के सांसद और पार्टी के संयुक्त महासचिव जीवन परियार ने किया था। अन्य सदस्यों में नेपाली कांग्रेस की सुशीला थिंग, सीपीएन-यूएमएल की ईश्वोरी घर्ती और नारायण प्रसाद आचार्य, माओवादी केंद्र से माधव सपकोटा, राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी से गणेश पराजुली और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के रोशन कार्की शामिल थे।

बाढ़ प्रभावित जनता के दुख-दर्द में राहत लेकर पहुंच रहे योगी के मंत्री

लखनऊ, 5 अगस्त: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश सरकार के मंत्री बाढ़ प्रभावित जनता के दुख-दर्द में निरंतर राहत लेकर पहुंच रहे हैं। ग्राउंड जीरो पर उतरे मंत्रियों ने मंगलवार को भी बाढ़ प्रभावित जनपदों का भ्रमण किया और राहत कार्यों का जायजा लेते हुए पीड़ितों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से कहा कि आपदा की इस घड़ी में जरूरतमंदों तक अविलंब सहायता पहुंचाना, राहत सामग्री का निरंतर वितरण करना योगी सरकार की प्राथमिकता है। मंत्रियों ने प्रशासन को निर्देश दिया कि बाढ़ पीड़ितों के भोजन, पेयजल, चिकित्सा समेत सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।

प्रयागराज में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण कर आपदा प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के भोजन, पेयजल एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था हेतु अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रबंध तत्परता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने प्रयागराज व कौशांबी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जल निकासी, स्वच्छता व अन्य समस्याओं के समाधान का निर्देश अधिकारियों को दिया।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जान गंवाने वाले पांच लोगों के परिजनों को दिया चार-चार लाख का चेक

कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने भदोही में गंगा नदी में आई बाढ़ से प्रभावित गांवों का मंगलवार को स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सीतामढ़ी में राहत सामग्री का वितरण किया। स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि हर जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। आपदा की इस घड़ी में हर पीड़ित के साथ राज्य सरकार साथ खड़ी है। कैबिनेट मंत्री ने 100 से अधिक बाढ़ प्रभावितों को राहत पैकेट वितरित किया। साथ ही आपदा में जान गंवाने वाले पांच लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये का चेक भी दिया।

वाराणसी: प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने विधायक संग किया बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षणवाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी के साथ बाढ़ राहत शिविर गोपी राधा इंटर कॉलेज, रविंद्रपुरी और प्राथमिक कन्या विद्यालय नगवां का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में रह रहे बाढ़ प्रभावित लोगों से कहा कि आपदा की घड़ी में शासन और प्रशासन आपके साथ है। किसी भी प्रकार की परेशानी पर तुरंत प्रशासन को अवगत कराएं। प्राथमिकता से हर किसी की सहायता की जाएगी। उन्होंने शिविर में बच्चों को चॉकलेट-बिस्किट भी दी।

कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने मंगलवार को मीरजापुर के जिला पंचायत सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, राहत शिविरों एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों को सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित चुनार क्षेत्र में नोडल बनाकर सभी गांवों में स्थिति का जायजा लेने, राहत सामग्री पहुंचाने और बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की मदद लेने का निर्देश दिया। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों में संक्रामक रोगों से बचाव के लिए सीएमओ को विशेष सतर्कता बरतने एवं दवाओं का छिड़काव कराने को कहा।

कृषि में सुधार बढ़ाने हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकी

पिछले कुछ समय से कृषि तकनीक चर्चा का विषय बना हुआ है। कृषि में सुधार एवं उत्पादकता बढ़ाने के संबंध में डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्त्वपूर्ण मशीनों के संदर्भ में जानकारी, आवश्यक ज्ञान, आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस से संबद्ध मुद्दों, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न आयामों के संदर्भ में कार्य किया जा रहा है।

वस्तुत: इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य भारतीय कृषि को आधुनिक तकनीकी से जोड़ते हुए किसानों के साथ-साथ कृषि कार्यों म ` संलग्न सभी समुदायों को लाभान्वित करना है। आधुनिक तकनीकी उपकरणों के प्रयोग से कृषिगत समस्याओं का समाधान ढूँढने तथा इस दिशा में अन्य उपयोगी सुधार करने के प्रयास किये जा रहे हैं। हालाँकि, कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने से पहले हमें इसकी समस्याओं के कारणों के विषय में जानना अधिक ज़रूरी है। इन्हीं सब पक्षों के संदर्भ में इस लेख में प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

समस्यागत क्षेत्र कौन-कौन से हैं?

कृषिगत समस्याओं का समाधान करने के लिये सबसे पहले किसानों की दो प्रमुख समस्याओं के विषय में जानना बेहद ज़रूरी है, एक है जोखिम और दूसरी है लाभप्रदता।

एक लंबे समय से किसानों की जोखिम उठाने की क्षमता में कमी हो रही है। उनके वित्तीय साधन इतने क्षीण हैं कि मात्र एकल फसल की विफलता उन्हें गंभीर संकट में डाल सकती है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें आत्महत्या तक के विकल्प को चुनना पड़ता है।

इस संदर्भ में किसानों के समक्ष ज़ोखिम के तीन प्रमुख क्षेत्र मौजूद हैं-

सूखा, ऐसी ही एक समस्या है, जिसके परिणामस्वरूप पूरी फसल विफल हो जाती है। सिंचाई की सुविधाओं तक पहुँच न होना कृषि के मार्ग में बहुत बड़ा व्यवधान है।

वस्तुत: कृषि में पानी के उपयोग की दक्षता में सुधार करने की आवश्यकता है। इसके लिये ज़रूरी है कि बाढ़ के जल को सिंचाई प्रणालियों जैसे ड्रिप प्रणाली इत्यादि से प्रबंधित किया जाए, ताकि बाढ़ के तकरीबन 50-70 प्रतिशत पानी को सिंचाई कार्य हेतु उपयोग में लाया जा सके।

इसके लिये ज़रूरी है हम प्रत्यक्ष रूप से बोये जाने वाले चावल के स्थान पर प्रत्यारोपित धान का उपयोग करना शुरू करें ताकि पानी की एक विशाल मात्रा को बचाया जा सके।

प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर इस प्रकार के धान में पानी की बचत करने में सक्षम जीन मौजूद होते हैं जो सामान्य धान की फसल की तुलना में 30 प्रतिशत तक जल संरक्षित कर सकते हैं।

यदि भारत में धान की इस किस्म को बोये जाने के संदर्भ में स्वीकृति प्राप्त हो जाती है तो इससे लगभग 10 करोड़ हेक्टेयर वर्षायुक्त कृषि को लाभ पहुँचेगा।

आधुनिक सेंसर हमें मिट्टी की नमी को ट्रैक करने और सिंचाई को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

किसानों की दूसरी सबसे बड़ी समस्या बारिश, बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण क्षतिग्रस्त होने वाली तैयार-फसल होती है। हालाँकि, इस नुकसान की भरपाई हेतु एक सशक्त बीमा कार्यक्रम को लागू करके समाधान है।

फसल बीमा का सही अनुपात में भुगतान करने का सबसे बेहतर तरीक यह है कि फसल नुकसान के संदर्भ में ज़मीनी छानबीन के साथ-साथ उपग्रहों, सेंसरों और अन्य आधुनिक उपकरणों के माध्यम से जानकारियाँ एकत्रित की जानी चाहिये, ताकि ज़मीनी स्तर पर वास्तविक आँकड़ों को प्राप्त किया जा सके।

इसका एक लाभ यह होगा कि इससे फसल तैयार करने से पूर्व तथा फसल तैयार होने के बाद की स्थिति के विषय में सटीक जानकारी प्राप्त हो सकेगी और नुकसान की सटीक भरपाई भी संभव हो सकेगी।

इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों द्वारा अपनी फसल में जो भी निवेश किया गया है वह पूरी तरह से सुरक्षित है।

तीसरी सबसे अहम् समस्या मूल्य जोखिम की है।

किसी भी फसल के रोपण के दौरान किसान को उसकी फसल के लिये प्राप्त होने वाली कीमत की संभावना के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। वह पिछले साल की कीमतों और वर्तमान बाज़ार मूल्य के आधार पर ही यह निर्णय करता है। इस निर्णय में हुई हल्की सी चूक उसकी वर्ष भर की मेहनत को शून्य कर देती है।

इस प्रक्रिया में कभी-कभी गंभीर नुकसान उठाना पड़ता है तो कभी अप्रत्याक्षित लाभ भी होता है।

इसके समाधान के रूप में फसल के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य बोई गई फसल के सन्दर्भ में एक न्यूनतम लाभ को सुनिश्चित करता है । इसके अतिरिक्त चौथी अहम् समस्या फसल से प्राप्त होने वाले परिचालन लाभ की कमी है। किसी भी फसल की लाभप्रदता उसमें निवेश की गई मात्रा और उनकी कीमतों तथा उससे प्राप्त होने वाली उपज एवं उसकी कीमत पर निर्भर करती है।

एकीकृत खेती के तरीकों का उपयोग करके कृषिगत लागत को कम किया जा सकता है। इसमें पैदावार और गुणवत्ता में कमी लाए बिना निवारक कृषि संबंधी विधियों और कुछ उपयोगी रासायनिक विधियों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। इसके लिये ज़रूरी है कि सबसे पहले जुताई को कम किया जाए तथा बेहतर मिट्टी संरचनाओं को बढ़ावा प्रदान किया जाए।

न्यूनतम जुताई का सुझाव इसलिये दिया गया है क्योंकि इससे मिट्टी के क्षरण को रोकने में मदद मिलती है।

दूसरे, रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग की वज़ह से क्षतिग्रस्त होने वाली मिट्टी की संरचना को बहाल करने की दिशा में प्रयास किये जाने चाहिये।

इसके लिये कुछ महत्त्वपूर्ण जैव प्रौद्योगिकी समाधानों जैसे नाइट्रोजन और फास्फोरस उपयोग की क्षमता वाले जीनों के उपयोग की बढ़ावा दिया जाना चाहिये ताकि उर्वरकों की खपत को कम करने में सहायता मिल सके।

उर्वरकों का उपयोग कम किया जाना चाहिये

जीन नियामक प्रणाली के अंतर्गत शामिल होते हैं।

अगर इन्हें किसानों को व्यावसायिक तौर पर उपलब्ध कराया जाता है तो ये न केवल उर्वरकों की खपत को कम करने में सहायता करेंगे बल्कि इनसे कृषिगत लागत में भी वृद्धि होगी। साथ ही इससे बेहतर मिट्टी संरचनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा। डिजीटल प्रारूप का प्रयोग इसके समाधान के तौर पर एक डिजीटल मार्केटप्लेस का निर्माण करके इनपुट लागत में कमी की जा सकती है। इसका एक लाभ यह होगा कि इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो जाएगी।

हालाँकि, यदि किसानों को सीधे बाज़ारों से संबद्ध कर दिया जाए तो उन्हें उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान किया जा सकता है। इसके लिये डिजीटल प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाना चाहिये।

आलू की उन्नत खेती

भारत में आलू का उत्पादन मुख्यत: सब्जी के लिए किया जाता है। यहाँ कुल उत्पादन का करीब नब्बे प्रतिशत सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। सब्जी के अलावा इसका उपयोग डॉइस, रवा, आटा, फलेक, चिप्स, फ्रेंच फ्राई, बिस्कुट इत्यादि बनाने में किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस से अच्छे प्रकार का स्टार्च, अल्कोहल आदि और द्विपदार्थ के रूप में अच्छा प्रोटीन भी मिलता है ।

आलू की भरपूर पैदावार पाने के लिए उत्पादक बन्धुओं को कुछ बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस लेख में आलू की खेती से अधिकतम पैदावार कैसे प्राप्त करें की तकनीक का उल्लेख है।

⏩ मिट्टी और जलवायु

दोमट तथा बलुई दोमट मिट्टियाँ जिसमें जैविक पदार्थ की बहुलता हो आलू की खेती के लिए उपयुक्त है। अच्छी जल निकासवाली, समतल और उपजाऊ जमीन आलू की खेती के लिए उत्तम मानी जाती है। आलू की खेती में तापमान का अधिक महत्त्व है। आलू की अच्छी उपज के लिए औसत तापमान कंद बनने के समय 1। से 21 डिग्री सेंटीग्रेड उपयुक्त माना जाता है।

⏩खेती की तैयारी

सितम्बर माह के अंतिम सप्ताह में हल से चार से पाँच बार जोताई कर देनी चाहिये, जिससे 25 सेंटीमीटर गहराई तक खेत तैयार हो जाए हल्की तथा अच्छी जुती मिट्टी में आलू कंद अधिक बैठते हैं। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा दे देने से मिट्टी समतल तथा भुरभूरी हो जाती है एवं खेत में नमी का संरक्षण भी होता है।

अंतिम जुताई के साथ हीं 20 टन प्रति हेक्टर सड़ी हुई गोबर की खाद खेत में देकर बराबर मिला देने से पैदावार में काफी वृद्धि हो जाती है। दीमक के प्रकोप से बचने के लिए अंतिम जोताई के समय ही 25 से 30 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से लिन्डेन मिट्टी में मिला देना चाहिये।

⏩फसल-चक्र

प्रतिवर्ष एक ही खेत में आलू की खेती करने से मिट्टी कीड़े तथा रोगों का घर बन जाती है। इसलिए उचित फसल-चक्र अपनाकर खेत बदलते रहना चाहिये। आलू दो फसली और तीन फसली सघन खेती प्रणाली में साधारणत: अच्छी पैदावार देता है। कम दिनों में तैयार होने वाली किस्में जैसे कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी कुबेर इत्यादि बहुफसली सघन खेती में उपयुक्त पायी गयी है।

आलू के साथ कुछ उपयुक्त फसल-चक्र इस प्रकार है, जैसे- मक्का - आलू - गेहूं, मक्का - आलू - प्याज, मक्का - आलू - भिंडी और मक्का - गेहूं - मूंग आलू के साथ कुछ फसलों की मिश्रित खेती भी की जाती है। आलू के दो मेडों के बीच गेहूं फसल सफलता पूर्वक उगायी जा सकती है।

⏩आलू की उन्नत किस्में

आलू की खेती के लिए उन्नत या संकर किस्म का सही चुनाव एक महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि यह पुरे उत्पादन के खर्च का सबसे महंगा अंश है और इसी पर आलू की उपज निर्भर करती है। कृषकों को आलू की खेती से अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए उपयुक्त भूमि, उचित पोषक प्रबंधन, पौध संरक्षण और अपने क्षेत्र की प्रचलित तथा अधिक उत्पादन वाली किस्म के चयन के साथ-साथ फसल पकाव अवधि का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। ताकि किसान अपनी इच्छित पैदावार प्राप्त कर सके। इस लेख में आलू की उन्नत किस्मों की विशेषताएं और पैदावार का विस्तार से उल्लेख है।

⏩अगेती किस्में-

कुफ़री चंदरमुखी, कुफरी अलंकार, कुफरी पुखराज, कुफरी ख्याती, कुफरी सूर्या, कुफरी अशोका, कुफरी जवाहर, जिनकी पकने की अवधि 80 से 100 दिन है।

⏩मध्यम समय वाली किस्में-

कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी बहार ,कुफरी लालिमा, कुफरी सतलुज, कुफरी चिप्सोना- 1, कुफरी चिप्सोना- 3, कुफरी सदाबहार, कुफरी चिप्सोना- 4, कुफरी पुष्कर जिनकी पकने की अवधि 90 से 110दिन है।

⏩देर से पकने वाली किस्में-

कुफरी सिंधुरी कुफरी फ़ाईसोना और कुफरी बादशाह जिनकी पकने की अवधि 110 से 120 दिन है।

⏩संकर किस्में-

कुफरी जवाहर (जे एच- 222), 4486- ई, जे एफ- 5106, कुफरी सतुलज (जे आई 5857) और कुफरी अशोक (पी जे- 3।6) आदि है।

⏩विदेशी किस्में-

कुछ विदेशी किस्मों को या तो भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल पाया गया है या अनुकूल ढाला गया है, जो इस प्रकार है, जैसे- अपटूडेट, क्रेग्स डिफाइन्स और प्रेसिडेंट आदि है।

⏩उन्नत किस्में-

कुफरी चंद्रमुखी- यह एक अगेती किस्म है। जो 80 से 90 दिन में पकक़र तैयार हो जाती है। इसके कंद बड़े अंडाकार तथा सफ़ेद छिलके व उथले आँखों वाले होते है। इस किस्म पर पछेती अंगमारी नामक रोग का अधिक प्रकोप होता है। यह मैदानी क्षेत्रों में 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार देती है।

कुफरी अलंकार- यह एक बहुत अगेती किस्म है। इसके कंद सफ़ेद रंग के होते है, वैसे इसकी फसल मैदानी क्षेत्रों में।0 दिन में तैयार हो जाती है। यह किस्म पछेती अंगमारी रोग के लिए कुछ हद तक प्रतिरोधी है। इसकी पैदावार 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक होती है।

ई- 3792 (कुफरी बहार)- यह छोटे दिन वाली अवस्था में 90 से 110 दिन में लम्बे दिन वाली दशा में 100 से 135 दिन में तैयार होने वाली किस्म है। इसके कंद बड़े अंडाकार तथा सफ़ेद छिलके वाले होते है।

जी- 2524 (कुफरी नवताल)- यह एक अगेती किस्म 75 से 85 दिन में इसके कंद खुदाई के लिए तैयार हो जाते है। इसके कंद बड़े, अंडाकार, सफ़ेद रंग के आँखों वाले होते है, कंद के भीतर का रंग हल्का पिला होता है। यह किस्म उत्तर भारत के मैदानी तथा पर्वतीय दोनों ही क्षेत्रों में उगाने के लिए उपयुक्त किस्म है। इसकी पैदावार 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

कुफरी ज्योति- यह किस्म विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। इसके कंद अंडाकार , सफ़ेद तथा उथली आँखों वाले होते है, मैदानी क्षेत्रों में इसके कंद अधिक दिनों तक भूमि में रहने से फट जाते है। इसलिए मैदानी क्षेत्रों में इसकी खुदाई 80 दिन में कर लेनी चाहिए, पर्वतीय क्षेत्रों में यह किस्म 130 से 150 दिन में पककर तैयार होती है। मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों में इसकी पैदावार 150 से 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

कुफरी शीतमान- यह एक सफ़ेद कंद वाली किस्म है। जो मैदानी क्षेत्रों में 100 से 110 दिन में तथा पर्वतीय क्षेत्रों में 125 से 130 दिन में तैयार हो जाती है। इसके कंद बड़े अंडाकार एवं उथली आँखों वाले होते है। यह पाले को सहन करने वाली किस्म है, इसकी पैदावार 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

कुफरी बादशाह- यह लम्बी अवधि वाली किस्म है। जो 100 से 120 दिन में तैयार हो जाती है, यह अगेती व पछेती अंगमारी कि अवरोधी किस्म है। इसके कंद बड़े अंडाकार तथा सफ़ेद छिलके वाले होते है। यह किस्म अगेती खुदाई करने पर भी कुफरी चंद्रमुखी से अधिक उपज देती है।

कुफरी सिंदूरी- यह एक पछेती किस्म है। जो 120 से 140 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसके कंद मध्यम आकार के गोल तथा गुलाबी रंग के होते है, कंद कि आंखे गहरी होती है। इसे मैदानी क्षेत्रों में उगाना उपयुक्त है। इसकी 300 से 400 क्विंटल पैदावार प्रति हेक्टेयर तक है।

कुफरी देवा- यह एक पछेती किस्म है। जो 120 से 125 दिन में तैयार हो जाती है, इसके कंद सफ़ेद अंडाकार गोल तथा आँखों के पास गुलाबी रंग लिए होते है। यह किस्म पाले को सहन कर लेती है, इस किस्म के कंद अन्य किस्मों कि अपेक्षा कम सड़ते है। इसलिए इसके कंदों को साधारण तापमान पर भी रखा जा सकता है। इसकी पैदावार 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

कुफरी लालिमा- यह शीघ्र तैयार होने वाली किस्म है। जो 90 से 100 दिन में तैयार हो जाती है, इसके कंद गोल आंखे कुछ गहरी तथा छिलका गुलाबी रंग का होता है। यह अगेती झुलसा के लिए मध्यम अवरोधी है।

कुफरी लवकर- यह किस्म महाराष्ट्र के दक्षिणी पठारों के लिए विकसित कि गई है। इसके कंद सफ़ेद, बड़े गोल एवं चिकने होते है। यह किस्म मैदानी तथा पर्वतीय क्षेत्रों में100 से 120 दिनों में तैयार हो जाती है। पठारी क्षेत्रों में इसकी पैदावार 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

कुफरी स्वर्ण- इस किस्म के कंद सफ़ेद होते है। इस किस्म का विकास निलगिरी के उन क्षेत्रों के लिए किया गया है, जहाँ सिस्ट नेमाटोड व दोनों प्रकार के झुलसा कि समस्या है, यह सिस्ट नेमा टोड व दोनों प्रकार के झुलसा के लिए प्रतिरोधी किस्म है। बसंत तथा ग्रीष्म ऋतू में लगभग 110 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार 300 क्विंटल प्रति हेक्टयर तक है।

खाद और उर्वरक

अच्छी पैदावार के लिए बुवाई से पहले जुताई करते समय 200 से 250 क्विंटल गोबर की खाद मिटटी में मिलनी चाहिए, इसके साथ 180 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलोग्राम फास्फोरस 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट और 120 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की आवस्यकता होती है।

या फिर इसके लिए ढाई क्विंटल यूरिया या 5 से 6 क्विंटल अमोनियम सल्फेट देना चाहिये। नाईट्रोजन का आधा हिस्सा बोते समय और शेष आधी मात्रा मिट्टी चढ़ाते समय देना उत्तम है। 5 से 6 क्विंटल सिंगल सुपर फॉस्फेट और करीब डेढ़ क्विंटल म्यूरियेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टर बोते समय देना चाहिये।

अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए उचित समय पर बोआई करना आवश्यक है। जब अधिकतम तथा न्यूनतम तापक्रम क्रमश: 30 व 18 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में रहे तो आलू की बोआई की जा सकती है। अक्टूबर के मध्य से नवम्बर के मध्य तक आलू की बोआई अवश्य कर देनी चाहिये।

सफल खेती के लिए स्वस्थ्य और रोगमुक्त बीज का उपयोग करना चाहिये। इसके लिए प्रमाणित बीज किसी विश्वसनीय संस्थान या एजेन्सी से खरीदना चाहिये। बोआई के पहले बीजों का पूर्ण रूप से अंकुरित करा लेना चाहिये। पूर्ण अंकुरण वाले बीज कंद जल्द उगते हैं तथा खेतों में कंद कम सडते हैं। पूर्ण बीज कंद का ही व्यवहार हमेशा करना चाहिये।

अगर बड़े आकार को बीज कदं को काटना आवश्यक हो जाय तो काटे हुए बीज कंदों को इन्डोफिल एम- 45 दवा के 0.2 प्रतिशत घोल में 10 मिनट तक डुबाकर उसे उपचारित कर लेना चाहिये। बीजों को छाया में सुखाकर ही खेत में रोपना चाहिये। इससे बीज कंद कम सड़ते हैं और मृदा जनित फफंदों से इन्हें छुटकारा मिल जाता है, आलू का बीज दर उनके आकर पर निर्भर करता है।

बड़े आकार का बीज कंद अधिक लगता है, लेकिन पैदावार अधिक होती है। बहुत छोटे आकार के बीज कंद से पैदावार कम होती है। इसलिए मध्यम आकार का बीज कंद ही उपयोग में लाना चाहिये। 40 से 50 ग्राम आकार का बीज लगाने से एक हेक्टर में 40 से 50 क्विंटल और छोटे आकार 25 से 30 ग्राम का लगाने 25 से 30 क्विंटल बीज की आवश्यकता होती है।

खेत को अच्छी तरह तैयार कर लेने के बाद बोआई के लिए 50 सेंटीमीटर की दूरी पर मेड बना ली जाती हैं। उसमें रसायनिक खादों का मिश्रण देकर मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला लिया जाता है। मेडों की 20 से 20 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को रखकर उसे 10 सेंटीमीटर ऊँची मेड़ से ढक दिया जाता है। बुआई के बाद दो मेड़ों के बीच में सिंचाई की नाली बना दी जाती हैं, जिससे सिंचाई में सुविधा हो।

पौधे जब 25 से 30 दिनों के हो जाये तो पंक्तियों में निराई-गुड़ाई करके खरपतवार को साफ कर देना चाहिये और मिट्टी को भुरभूरा कर देना चाहिये। निराई-गुड़ाई के बाद में नाईट्रोजन खाद की आधी मात्रा जड़ से 50 सेंटीमीटर की दूरी पर छिड़क कर मिट्टी चढ़ा देनी चाहिये। आलू के जड़ और कंद किसी भी अवस्था में दिखाई न दें क्योंकि खुला आलू कंद प्रकाश के सम्पर्क में हरे हो जाते हैं और खाने योग्य नहीं रहते।

बीच-बीच में खुले आलु कंदों को मिट्टी से ढकते रहना चाहिये। यदि आप खरपतवार पर कीटनाशक से नियंत्रण चाहते है तो पेंडामेथलिन 30 प्रतिशत 3.5 लिटर का 900 से 1000 लिटर पानी में घोल बनाकर बुवाई के 2 दिन तक प्रति हेक्टेयर छिड़काव कर सकते है। जिसे खरपतवार का जमाव ही नही होगा।

⏩सिंचाई प्रबंधन

आलू में पहली सिंचाई आलू बोआई के एक सप्ताह बाद करनी चाहिये और उसके बाद प्रत्येक 8 से 10 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिये। आलू खुदाई के दो सप्ताह पहले सिंचाई बंद कर देनी चाहिये। ध्यान यह रखा जाना चाहिये, कि प्रत्येक सिंचाई में पानी आधी मेड़ तक ही देना चाहिये।